दैनिक
ग्लोबल हेराल्ड
LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

रविवार 30 मार्च, 2025 ■ वर्ष 14 ■ अंक 47 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

न्यूजीलैंड ने पहला वनडे 73 रन से जीता:पाकिस्तान के खिलाफ ...

पृष्ठ 8 पर

न्यूज ब्रीफ

नेपाल में हिंसक प्रदर्शन, दो की मौत, 105 प्रदर्शनकारी गिरफ्तार, इनमें नेता भी...

काठमांडू। नेपाल में राजशाही की मांग को लेकर शुक्रवार को हुए हिंसक प्रदर्शन में दो लोगों की मौत हो गई। हिंसा को बढ़ावा देने, प्राइवेट प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाने और आगजनी करने के आरोप में पुलिस ने 105 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के उपाध्यक्ष रबिंद्र मिश्र, जनरल सेक्रेटरी धवल शमशेर राणा शामिल हैं। इसके अलावा स्वागत नेपाल, शेफर्ड लिंबू और संतोष तमांग जैसे राजशाही का समर्थन करने वाले कार्यकर्ता समेत 17 अन्य नेता भी शामिल हैं। गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, प्रदर्शन के प्रमुख आयोजक नवराज सुबेदी को हाउस अरेस्ट में रखा गया है। वहीं, इस प्रदर्शन के चीफ कमांडर दुर्गा परसाई की तलाश की जा रही है। 40 से ज्यादा नेपाली संगठनों के प्रदर्शनकारियों ने काठमांडू के तिनकुने में एक इमारत में तोड़फोड़ करने के बाद उसे आग के हवाले कर दिया था।

कर्नाटक में डिजिटल अरेस्ट बुजुर्ग दंपती ने की आत्महत्या

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेलगावी में एक बुजुर्ग दंपती ने डिजिटल अरेस्ट में 50 लाख रुपए की साइबर ठगी होने के बाद आत्महत्या कर ली। 83 साल के दियांगो नजारत ने गला काटकर जबकि उनकी पत्नी प्लेव्याना नजारत (79) ने जहर खाकर खुदकुशी की। पुलिस के मुताबिक, ठगों ने बुजुर्ग दंपती से वीडियो कॉल पर संपर्क किया और खुद को दिल्ली क्राइम ब्रांच के अधिकारी बताया। उन्होंने दंपती को झूठे आपराधिक मामले में फंसाने की धमकी दी और डिजिटल अरेस्ट कर 50 लाख ठग लिए। बेलगावी के एसपी भीमाशंकर गुलेद ने बताया कि पुलिस बैंक खातों की जांच कर रही है और ठगों की ओर से वसूली गई कुल रकम का पता लगाया जा रहा है।

शराब से 5 हजार करोड़ दूध से 210 करोड़ टैक्स सरकार ने बताया आंकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने मौजूदा वित्त वर्ष में शराब पर टैक्स से 5,068.92 करोड़ रुपये की कमाई की है, जबकि दूध और डेरी प्रोडक्ट से सिर्फ 209.9 करोड़ रुपये मिले हैं। यह जानकारी विधानसभा में बीजेपी विधायक अभय वर्मा के सवाल पर सरकार ने दिया। राज्य सरकार के मुताबिक, दिल्ली में 2023-24 में 21.27 करोड़ लीटर शराब बिकी, यानी हर दिन करीब 5.82 लाख लीटर। 2022-23 में यह आंकड़ा 25.84 करोड़ लीटर था। आप सरकार ने नवंबर 2021 में नई शराब नीति लागू की थी, जिससे शराब की बिक्री सिर्फ निजी दुकानों तक सीमित हो गई थी। लेकिन सितंबर 2022 में पुरानी नीति दोबारा लागू होने के बाद सरकारी शराब दुकानें फिर से खुल गईं।

सुकमा में 17 नक्सली ढेर, दो जवान घायल

सुकमा ■

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में शनिवार सुबह सुरक्षाकर्मियों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। मुठभेड़ में अब तक 17 नक्सली मारे गए हैं। इंसास और रछफसमेत बड़ी मात्रा में हथियार बरामद हुए हैं। मरने वाले नक्सलियों की संख्या बढ़ सकती है। एक साल के अंदर अब तक 410 नक्सली मारे जा चुके हैं।

हथियार बदलाव नहीं ला सकते: अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 17 नक्सलियों के मारे जाने के बाद कहा कि हथियार रखने वाले और हिंसा का सहारा लेने वाले बदलाव नहीं ला सकते, शांति और विकास ही ला सकते हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट लिख कहा कि नक्सलवाद पर एक और प्रहार! हमारी सुरक्षा एजेंसियों ने सुकमा में एक अभियान में 17 नक्सलियों को मार गिराया और स्वचालित हथियारों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार 31 मार्च, 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। हथियार रखने वालों से मेरी अपील है कि हथियार और हिंसा बदलाव नहीं ला सकते, शांति और विकास ही ला सकते हैं।

दो जवान घायल, अस्पताल में हुए भर्ती

सुकमा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, जिला सुकमा के थाना केरलापाल क्षेत्र में माओवादियों के उपस्थिति की सूचना परब 28 मार्च को जिला सुकमा डीआरजी और सीआरपीएफ की संयुक्त पुलिस पार्टी नक्सल विरोधी सर्च अभियान में रवाना हुए हुई। अभियान के दौरान आज सुबह सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच रूक-रूक कर मुठभेड़ जारी है।

बस्तर आईजी ने की 17 नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि

बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने अपडेट देते हुए बताया कि 17 नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। दो जवानों को मामूली चोटें आई हैं। खबर है कि इस मुठभेड़ में डीवीसीएम जगदीश ढेर हो गया है। वहीं सुकमा एसपी किरण गंगाराम चव्हाण ने बताया कि हमने अब तक 17 नक्सलियों के शव बरामद किए हैं। बड़ी संख्या में एके-47, एसएलआर, इंसास राइफल और अन्य हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए हैं। दो जवानों को मामूली चोटें आई हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, एक अधिकारी ने कहा कि मुठभेड़ केरलापाल थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक जंगल में हुई है।

पश्चिम बंगाल के मालदा में हिंसा- इंटरनेट बंद, 34 गिरफ्तार

उपद्रवियों ने दुकानें-गाड़ियां तोड़ीं, सामान लूटा

मालदा ■

पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के मोथाबाड़ी में 27 मार्च को दो गुटों के बीच हुई हिंसा मामले में 34 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया गया है। घटना के बाद से इलाके में इंटरनेट बंद है। आर्म्ड और रैपिड एक्शन फोर्स की तीन कंपनियां तैनात की गई हैं। हिंसा को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को डीएम और एसपी से 3 अप्रैल तक एक्शन रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने कहा कि राज्य को सावधानी से काम करना चाहिए। साथ ही हिंसा से प्रभावित लोगों की सुरक्षा के लिए उचित कदम उठाने चाहिए।

रिपोर्ट्स के मुताबिक 26 मार्च को मोथाबाड़ी मस्जिद में नमाज हो रही थी। इस दौरान वहां से एक जुलूस गुजर रहा था, तभी कुछ लोगों ने धार्मिक नारे लगाए। 27 मार्च को दूसरे समुदाय ने इसका विरोध किया। इस दौरान भीड़ ने दुकानों, घरों और गाड़ियों में तोड़फोड़ और लूट की।

पुलिस ने लाठीचार्ज किया, आंसू गैस के गोले छोड़े

27 मार्च को विरोध प्रदर्शन के दौरान लोगों के हाथ में धार्मिक झंडे थे। नारेबाजी कर रहे लोग अचानक हिंसक हो गए और दुकानों, घरों में तोड़-फोड़ की, सामान लूटा और सड़कों पर खड़ी गाड़ियों में आग लगा दी। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। मालदा पुलिस ने लोगों से अपील की कि वे शांति बनाए रखें। सोशल मीडिया पर किसी भी तरह की अफवाह या गलत सूचना पर ध्यान न दें। कुछ लोगों द्वारा जानबूझकर हिंसा भड़काने का प्रयास किया जा रहा है।

ओवैसी बोले- मोदी इसलिए प्रधानमंत्री मोदी क्योंकि वे बैसाखियों पर निर्भर

हैदराबाद ■

एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि भाजपा के पास लोकसभा में बहुमत नहीं है। यह सरकार बैसाखियों पर टिकी है। नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं, क्योंकि वह नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू, चिराग पासवान और जयंत चौधरी की बैसाखियों पर निर्भर हैं।

उन्होंने कहा- अगर ये चारों दल इस असंवैधानिक विधेयक (वक्फ बिल) का समर्थन नहीं करते हैं, तो यह विधेयक कानून नहीं बन पाएगा। वक्फ विधेयक मुस्लिम वक्फ बोर्ड को हमेशा के लिए बर्बाद कर देगा, लेकिन अगर ये भाजपा का समर्थन करते हैं, तो मैं उन्हें चेतावनी दे रहा हूं

कि मुसलमान उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि इस विधेयक को लुटेरा (संशोधन) कानून कहा जाना चाहिए, क्योंकि भाजपा की अगुवाई वाली केंद्र सरकार वक्फ संपत्तियों को हड़पना चाहती है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह झूठ बोल रहे हैं कि कोई वक्फ ट्रिब्यूनलके खिलाफ अदालत नहीं जा सकता है। ओवैसी ने शनिवार को हैदराबाद में बांह में काली पट्टी बांधकर वक्फ बिल का विरोध करते हुए नमाज पढ़ी।

म्यांमार भूकंप में अब तक 1644 लोगों की मौत, 3400 घायल, दो दिन में 3 बड़े भूकंप

नेपीदा ■

म्यांमार में शनिवार दोपहर 3:30 बजे फिर भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.1 मापी गई। इस तरह बीते 2 दिन में 5 से ज्यादा तीव्रता वाले तीन भूकंप आए। शुक्रवार को 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद म्यांमार में भारी तबाही हुई। मौत का आंकड़ा 10 हजार से ज्यादा हो सकता है। यह आशंका यूनाइटेड स्टेट जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने जताई। भूकंप के झटके थाईलैंड, बांग्लादेश, चीन और भारत तक महसूस किए गए थे।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक शनिवार तक मरने वालों का आंकड़ा 1644 हो चुका है, जबकि

3,408 से ज्यादा लोग घायल हुए और 139 लोग लापता हैं। उधर, थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक 30 मंजिला इमारत गिर गई। इसमें 10 लोगों की मौत हुई। म्यांमार में शुक्रवार सुबह 11:50 बजे 7.7 तीव्रता का भूकंप आया। म्यांमार और थाईलैंड में यह 200 साल का सबसे बड़ा भूकंप था। भारी तबाही के चलते म्यांमार के 6 राज्यों और पूरे थाईलैंड में इमरजेंसी लगा दी गई।

भारत ने भेजी राहत सामग्री

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया कि भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस सतपुड़ा और आईएनएस सावित्री ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत 40 टन रिलीफ सामग्री म्यांमार के यांगून बंदरगाह भेजे गए हैं। इसके अलावा 118 सदस्यीय फील्ड हॉस्पिटल यूनिट आगरा से मांडले पहुंची।

संयुक्त राष्ट्र ने म्यांमार को 43 करोड़ रुपए की मदद दी

- संयुक्त राष्ट्र ने रिलीफ प्रोग्राम शुरू करने के लिए म्यांमार को 5 मिलियन डॉलर (43 करोड़ रुपए) दिए।
- रूस के इमरजेंसी मंत्रालय ने 120 बचावकर्मियों और जरूरी सामान के साथ दो विमानों को भेजा।
- चीनी की रेस्क्यू टीम सबसे पहले पहुंची। हॉन्ग कॉन्ग, सिंगापुर और मलेशिया भी रेस्क्यू टीम भजेंगे।

हिमाचल में बनीं 38 दवाओं समेत 103 के सैंपल फेल

बद्दी (सोलन)। हिमाचल में बनीं 38 समेत देश में 103 दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरी हैं। मार्च माह में जारी ड्रग अलर्ट में इसका खुलासा हुआ है। इसमें सोलन की 24, सिरमौर की 13 एवं ऊना की एक दवा कंपनी के सैंपल फेल हुए हैं। इन्हें नोटिस भेजे जाएंगे और बाजार से दवाओं का स्टॉक वापस मंगवाया जाएगा। प्रदेश में एसिडिटी, गले की खराश, बीपी, अस्थमा, दिल का दौरा, फंगल संक्रमण, टॉन्सिल, बवासीर, गठिया, असलर, शुगर, बलगम वाली खांसी, बुखार, माइग्रेन, सीने के दर्द एवं पोषक तत्वों की कमी की दवा मानकों पर खरी नहीं उतरी हैं। उधर, राज्य ड्रग कंट्रोलर मनीष कपूर ने कहा कि जिन दवा कंपनियों के सैंपल फेल हुए हैं, उनके खिलाफ विभाग की ओर से प्रशासनिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

कांग्रेस बोली- मोदी सरकार ने बैंकों को कलेक्शन एजेंट बनाया

खड़गे बोले- मिनिमम बैलेंस न रखने पर जनता से 43,500 करोड़ वसूले

नई दिल्ली ■

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को कहा कि मोदी सरकार ने बैंकों को कलेक्शन एजेंट में बदल दिया है। सरकार सर्विस के नाम पर आम लोगों से पैसे लूट रही है। उन्होंने कहा- 2018 से 2024 के बीच बचत और जनधन खातों में मिनिमम बैलेंस न रखने पर सरकार ने जनता से करीब 43,500 करोड़ वसूले हैं।

दरअसल, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एटीएम से पैसे निकालने पर 28 मई को फीस बढ़ाने का सर्कुलर जारी किया। सर्कुलर के मुताबिक 1 मई से ग्राहकों को एटीएम

से मंथली फ्री ट्रांजैक्शन लिमिट पार करने पर अगले ट्रांजैक्शन के लिए एडिशनल 2 रुपए का भुगतान करना होगा। यह होम बैंक और दूसरे बैंकों में अलग-अलग होगी। मेट्रो सिटीज में होम बैंक (जिस बैंक में आपका अकाउंट है) से फ्री एटीएम ट्रांजैक्शन लिमिट 5 है। इसके बाद के ट्रांजैक्शन पर आपको 2 रुपए अधिक चार्ज देना होगा। फिलहाल यह चार्ज 21 रुपए है, जो 1 मई से 23 रुपए होगी।

इन-एक्टिविटी फीस: हर साल 100-200

- बैंक स्टेटमेंट फीस: 50-100
- एसएमएस अलर्ट फीस: हर तीन महीने अपर 20-25
- लोन प्रोसेसिंग फीस: 1-3%
- समय से लोन चुकाने पर भी प्री-क्लोजर फीस
- एनईएफटी और डिमांड ड्राफ्ट पर अतिरिक्त फीस
- केवाईसी अपडेट जैसे साइन अपडेट कराने पर फीस

कुणाल कामरा पर 3 नए केस दर्ज

मुंबई। स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा के खिलाफ मुंबई के खार पुलिस स्टेशन में 3 नए केस दर्ज किए गए हैं। ये केस महाराष्ट्र के डिप्टी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को लेकर दिए गए विवादित बयान से जुड़े हैं। मुंबई पुलिस की ओर से शनिवार को दी गई जानकारी के मुताबिक, पहली शिकायत जलगांव की मेयर ने दर्ज करवाई है, जबकि बाकी 1-1 केस नासिक के दो अलग-अलग बिजनेसमैन ने किया है। केस में मुंबई पुलिस कुणाल कामरा से पूछताछ के लिए 2 समन जारी कर चुकी है। वहीं महाराष्ट्र विधान परिषद में भी कामरा के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस स्वीकार कर लिया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के वृहद मराठी समाज द्वारा गुड़ी पड़वा के संदर्भ में मुख्यमंत्री निवास के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। समाज बंधुओ ने मंत्रोच्चार के बीच तिलक कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत और अभिवादन किया।

व्यंग्य: जज पर 'जजमेंट' बाद विरोध में उग्र कमेंट..!

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस
GHNA

दिलीप शर्मा
(वरिष्ठ पत्रकार)

दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के बंगले में आग लगने के बाद मिले करोड़ों के केश के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जांच के बीच उनका ट्रांसफर इलाहाबाद हाई कोर्ट में न्यायिक काम नहीं सौंपने की शर्त पर जो जजमेंट दिया है उसे केंद्र सरकार ने मंजूरी दे दी है, लेकिन इस जजमेंट को भी बार एसोसिएशन ने कोर्ट के लिए काला दिन बताकर शपथ का बहिष्कार करने का भी निर्णय लिया है. सीपीआई सांसद पी. संतोष कुमार ने भी कहा ऐसे जज को हटा देना चाहिए, लेकिन हटाना क्या आसान है..?

जाको राखे कार्य पालिका - न्याय पालिका : बाल ना बांका होय..?

'जाको राखे साइंया बाल ना बांका होय ' की तर्ज पर केश कांड वाले जस्टिस यशवंत वर्मा के मामले में क्या यह कथन सार्थक नहीं हो रहा है कि' जाको राखे कार्यपालिका यानी सरकार व न्यायपालिका तो उनका बाल भी बांका ना होय..?कार्यपालिका में राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली मंत्री परिषद आती है और इसी परिषद के गृहमंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कर दिया है कि जस्टिस वर्मा के विरुद्ध एफआईआर चीफ जस्टिस की अनुमति बिना दर्ज नहीं हो सकती, क्योंकि वे ही न्याय पालिका में प्रमुख हैं, भले ही इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन एफआईआर की मांग करता रहा. कुल मिलाकर एक जज को ' जज ' करना सुप्रीम कोर्ट तक के लिए मुश्किल बना हुआ है, भले ही जांच की जा रही है, लेकिन रहस्य की परतें खुल नहीं पा रही है, क्योंकि जांच विशेष एजेंसियों को नहीं सौंपी गई है और इन हाउस जांच ही चल रही है. सुप्रीम कोर्ट ने केश कांड से घिरे जस्टिस यशवंत वर्मा का ट्रांसफर इलाहाबाद हाई कोर्ट में वहां के बार एसोसिएशन के कड़े विरोध बाद भी कर दिया तो एसोसिएशन के वकील ऐसे जजमेंट पर और उग्र हो चुके हैं एवं यहां तक कहा है कि शपथ का बहिष्कार करेंगे. काला दिवस भी बताया गया. इधर खबर यह भी मिली है कि जज के बंगले में आग लगी या लगाई गई, क्योंकि फायर विभाग ने ऐसी कोई खबर तुरंत नहीं दी कि

कारण क्या था जबकि सामान्यत विभाग बता देता है कि शार्ट सर्किट हुआ. बंगले में करोड़ों का केश मिलना व नोटों की गड्डियाँ जलना आदि सब कुछ रहस्य बना हुआ है. सुप्रीम कोर्ट ने जज के विरुद्ध एफआईआर की मांग वाली याचिका भी यह कहकर खारिज कर दी कि जांच चल रही है. कुल मिलाकर न्यायपालिका को भ्रष्टाचार से मुक्त करने की मांग भी की जा चुकी है, लेकिन उस पर भी अभी तो सुप्रीम कोर्ट ने कुछ नहीं कहा है. और आगे भी कुछ सुधार होने की उम्मीद कम ही लगती है, क्योंकि जजों के मामले में जो नियम बने हैं कि वे स्वेच्छा से ही संपति घोषित कर सकते हैं. उनके विरुद्ध मुकदमा दायर करना भी आसान नहीं है और जज को पद से हटाने की प्रक्रिया भी बेहद जटिल है, क्योंकि लोकसभा व राज्य सभा के सांसदों का समर्थन फिर राष्ट्रपति तक मामला पहुंचना आदि नियम हैं..इलाहाबाद हाई कोर्ट के अध्यक्ष अनिल तिवारी द्वारा यहां तक कहने कि यहां क्या कूड़ेदान है..? ऐसे तीखे सवाल से ही स्पष्ट है कि वकील इसलिए नाराज हैं कि उनके क्लाइंट को न्याय कैसे दिला सकेंगे यदि न्याय देने वाले पर शक हो तो न्याय कैसे होगा.. वैसे तो कोर्ट में भ्रष्टाचार की शुरूआत बाबू से ही हो जाती है. तारीखों पर तारीख इसका बड़ा प्रमाण है. कोर्ट के बाबू से चंद रुपए में तारीख मिल जाती है. किसी के पक्ष में फैसला होना होता है तो पता चलता है कि जज ही बदल गए यानी ट्रांसफर हो गया. ऐसी अनेक विसंगति से कोर्ट के चक्कर में फंसा व्यक्ति जूझता है. सच को झूठ और झूठ को सच बताया जाता है.कानून की धाराएं इस कदर लचर हैं कि किन्तु, परन्तु और इसमें सजा है, लेकिन फलां धारा कहती है कि ऐसा नहीं हो सकता. कुल मिलाकर जब एक वकील आश्वस्त कर देता है कि केस 10-15 साल तो आराम से खींच देंगे तो वाकई में ऐसा ही होता है और कोर्ट के चक्कर में फंसा व्यक्ति अन्य के लिए दुआ करता है कि किसी को कोर्ट ना जाना पड़े, लेकिन यह संभव नहीं है, संसार है, मोहमाया है, विवाद भी होंगे और इसलिए कोर्ट तो जाना ही पड़ सकता है, जो जाने से बचे हैं वे ही अपने को भाग्यशाली मानें वह इसलिए, क्योंकि न्याय मिलने में 25-30 साल या अधिक भी लग जाते हैं प्रमाण देश की सभी कोर्ट में 5 करोड़ से अधिक केस लंबित हैं और 30 वर्ष से अधिक वाले 1.80 लाख मामले हैं..?

सिराज-प्रसिद्ध की सटीक गेंदबाजी से जीता गुजरात

अहमदाबाद ■

गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग-2025 के 9वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 36 रनों से हराया। यह गुजरात की इस सीजन में पहली जीत है, जबकि मुंबई को लगातार दूसरी हार मिली है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शनिवार को मुंबई ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी।

गुजरात ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 196 रन बनाए। जवाब में मुंबई की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 160 रन ही बना सकी। मुंबई के बैटर्स काली मिट्?टी की पिच पर बड़ा स्कोर नहीं बना सके। वहीं, गुजरात के गेंदबाजों ने स्लोअर बॉल

का बेहतरीन इस्तेमाल किया। साथ ही मुंबई की पारी में ओस का न आना भी मैच विनिंग फैक्टर साबित हुआ। जीटी से साई सुदर्शन ने 41 बॉल पर 63 रनों की पारी खेली। उन्होंने 4 चौके और दो छक्के लगाए। उनके अलावा, जोस बटलर ने 39 और शुभमन गिल ने 38 रन बनाए।

बजरंग दल का विशाल शौर्य संगम, इंदौर में हुआ ऐतिहासिक कार्यक्रम

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के नेहरू स्टेडियम में बजरंग दल का विशाल शौर्य संगम कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मालवा प्रांत के हजारों कार्यकताओं ने हिस्सा लिया। इस आयोजन में प्रज्ञानंद महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि आसुरी ताकतों को पाकिस्तान, बांग्लादेश या अरब भेजने की आवश्यकता नहीं है, इनकी सही जगह जहन्नुम है और इन्हें समय पर वहीं भेजा जाएगा। उन्होंने वर्तमान सरकार को सनातनी सरकार बताया और कहा कि पहले की सरकारें मदरसे चलाने वाली थीं, जबकि अब देश में एक सही दिशा में काम हो रहा है।

गौ रक्षा और हिंदू समाज की एकता पर जोर

मिलिंद परांडे ने गौ रक्षा पर भी बात की और कहा कि देश में हजारों गोमाताओं की हत्या हो रही है, और इसे रोकना हर हिंदू का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि बजरंग दल गोवंश की रक्षा करने वाला सबसे बड़ा संगठन है, लेकिन यह जिम्मेदारी केवल एक संगठन की नहीं, बल्कि पूरे हिंदू समाज की है। इसके साथ ही उन्होंने हिंदू समाज से जाति-भेद से ऊपर उठकर एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हिंदू वसुंधरा के सभी लोग हिंदू ही हैं, हमें अपनी अस्मिता को भूलकर एक साथ आना होगा।

हिंदू समाज को अपनी सुरक्षा के लिए कदम उठाने की जरूरत

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अंतर्राष्ट्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे ने कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहा कि भारत में पिछले ढाई वर्षों में 13 लाख महिलाएं लापता हो चुकी हैं, जो एक गंभीर चुनौती है। उन्होंने हिंदू समाज से अपील की कि वे अपने सम्मान की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएं। मिलिंद परांडे ने बताया कि बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद हर साल हजारों कन्याओं की घर वापसी कराते हैं और अब इस कार्य को और तेज करने की जरूरत है। इसके साथ ही उन्होंने हिंदू परिवारों से कम से कम दो-तीन बच्चे पैदा करने की अपील भी की, ताकि भविष्य में जनसंख्या असंतुलन की समस्या से न जूझना पड़े।

कार्यक्रम की तैयारी और आयोजन

इस शौर्य संगम कार्यक्रम की तैयारी पिछले तीन महीनों में की गई थी, जिसमें हजारों बैठकें आयोजित की गई थीं। आयोजन स्थल पर तीन दिनों से तैयारियां चल रही थीं। इस अवसर पर पारंपरिक खेलों जैसे कबड्डी, मलखंभ सहित अन्य खेलों का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम में प्रांत के सभी विभागों और खंड-प्रखंड स्तर के कार्यकर्ता भी शामिल हुए। बजरंग दल के इस आयोजन में मुख्य वक्ता के रूप में विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे और प्रज्ञानानंद सरस्वती महाराज उपस्थित थे। कार्यक्रम में शौर्य संचलन के माध्यम से कार्यकर्ता आयोजन स्थल तक पहुंचे, और उज्जैन में 35 हजार लोगों का एकत्रीकरण हुआ था।

इंदौर के शास्त्री ब्रिज पर लगा ट्रैफिक जाम

इंदौर में शनिवार शाम को 20 मिनट तक ट्रैफिक जाम लगा। दरअसल बजरंग दल द्वारा शौर्य पथ संचलन निकाला गया। इस कारण शास्त्री ब्रिज पर जाम लग गया जिसमे सैकड़ो वाहन चालक जाम में फंसे थे। ट्रैफिक पुलिस जवानों ने जाम को खुलवाया।

इंदौर में धूमधाम से मनेगा हिंदू नववर्ष, चैत्र नवरात्रि पर बिजासन मंदिर में लगा मेला

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में रविवार को गुड़ी पड़वा धूमधाम से मनाया जाएगा। कई परिवारों के घरों पर गुड़ी बंधेगी और पकवान बनेंगे। इसके अलावा धार्मिक अनुष्ठान भी होंगे। इंदौर में राजवाड़ा पर सुबह सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। कई परिवार इस दिन नए वाहन, उपकरण और जेवरात भी खरीदते है। इसके चलते बाजारों में भी हिन्दू नववर्ष की रौनक रहेगी। गुड़ी पड़वा के साथ नवरात्रि भी शुरू होगी।

इसके चलते शहर के देवी मंदिरों में भी धार्मिक अनुष्ठान होंगे और वहां भी विशेष आयोजन होंगे। इंदौर के प्राचीन बिसासन माता मंदिर में पूरे नौ दिन विशेष पूजा होगी और रात तक मंदिर भक्तों के लिए खुला रहेगा। बिजासन टेकरी पर हर साल की तरह इस बार भी मेला लग चुका है, हालांकि प्रशासन ने मेले में सुरक्षा की दृष्टि से झूले लगाने की अनुमति नहीं दी है। गुड़ी पड़वा पर कुछ स्थानों पर सार्वजनिक आयोजन भी हो रहे है। बिसासन माता मंदिर के अलावा अन्नपूर्णा मंदिर, श्रीश्री विद्या धाम, कालनी मंदिर, वैष्णवदेवी मंदिर, कैला मंदिर में शतचंडी यज्ञ के अलावा विशेष पूजाएं भी होंगी। महाराष्ट्रीयन परिवारों में गुड़ी पड़वा का खास महत्व रहते है। घर पर गुड़ी लगाने के साथ श्रीखंड व अन्य पकवान बनाए जाएंगे। इंदौर के सराफा एसोसिएशन ने 30 मार्च को रविवार होने के बावजूद सराफा खुला रखने का फैसला लिया है। व्यापारियों ने कहा कि त्यौहार के कारण व्यापारी संस्थान बंद नहीं करेंगे।

मांस की दुकानें बंद रहेगी

इंदौर में मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने चेटी चंड, रामनवमी, महावीर जयंती पर मांस-मटन की दुकानें नगर निगम सीमा में बंद रखने के निर्देश दिए है। उन्होंने अफसरों को कहा कि यदि दुकानें खुली पाई जाती है तो उनके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाए।

प्रोफेसर पत्नी की प्रताड़ना से परेशान पति ने फांसी लगाई मोबाइल में मिला वीडियो देखकर पुलिस भी चौंकी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

लसूड़िया पुलिस ने एनएचएआई कर्मचारी अनुराग धारसिया के सुसाइड मामले में उसकी पत्नी तामश्री सहित तीन लोगों पर एफआईआर दर्ज की है। 26 सितंबर की रात अनुराग ने शादी का सूट पहनकर आत्महत्या कर ली थी। आत्महत्या करने से पहले उसने अपनी पत्नी तामश्री को कॉल किया था। तामश्री की दोस्त ने अनुराग की बहन को जानकारी दी थी, लेकिन अनुराग को बचाया नहीं जा सका। अनुराग के परिवार ने आरोप लगाए थे और पुलिस ने सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की बात कही है। लसूड़िया पुलिस ने इस मामले में अनुराग के परिवार के तीन लोगों को आरोपी बनाया है, जिनमें ससुर लीलाधर सोनारतिया, साला कच्छू उर्फ आनंद और पत्नी तामश्री शामिल हैं। सभी पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने अनुराग का मोबाइल चेक किया, जिसमें उसने एक वीडियो रिकॉर्ड किया था, जिसमें उसने अपनी पत्नी और ससुराल वालों पर प्रताड़ना के आरोप लगाए थे।

महिला थाने में प्रताड़ना की पुष्टि

इस पूरे मामले में उज्जैन महिला थाने में अनुराग की पत्नी तामश्री की शिकायत पर कार्रवाई की गई। मामले में पुलिस ने कई पहलुओं की जांच की और पाया कि अनुराग को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया था, जो उसकी आत्महत्या का मुख्य कारण बना। पुलिस ने मामले में आरोपियों के बयान लिए और उनकी भूमिका को स्पष्ट किया। इस पूरे घटनाक्रम ने तामश्री और अनुराग के रिश्ते की खामियों को उजागर किया और अब पुलिस ने सभी आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है, जिनकी जल्द गिरफ्तारी की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

ससुराल में प्रताड़ना की बात सामने आई

पुलिस ने इस मामले की जांच में छह महीने से ज्यादा का समय लिया। जांच के दौरान पाया गया कि अनुराग ने आत्महत्या करने से पहले पत्नी को इस बारे में जानकारी दी थी। अनुराग भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) में कर्मचारी था। घटना के दिन वह अपने ससुराल उज्जैन गया था और फिर वापस आकर अपने कमरे में चला गया। इस दौरान उसने अपनी पत्नी तामश्री को कॉल किया और बताया कि वह आत्महत्या करने जा रहा है। पत्नी ने घबराकर अपनी दोस्त को जानकारी दी और उसी ने अनुराग की बहन को यह बताया। इसके बाद अनुराग की बहन ने उसके बड़े भाई अजय को सूचित किया। जब अजय कमरे में पहुंचा तो वहां अनुराग को फंदे से लटका हुआ पाया।

केदारनाथ से लौटकर घर चली गई तामश्री, वापस नहीं लौटी

अनुराग की पत्नी तामश्री एक प्रोफेसर थीं, जिन्होंने एमटेक तक की पढ़ाई की थी। इसके बाद उन्होंने एलएनसीटी कॉलेज में नौकरी की। उनकी शादी 21 जून 2021 को अनुराग से हुई थी। दो साल बाद, मार्च 2023 में दोनों केदारनाथ गए थे। इसके बाद तामश्री उज्जैन चली गईं और इंदौर वापस नहीं आईं। 25 सितंबर को उसने कोर्ट का नोटिस अनुराग को भेजा और महिला थाने में शिकायत दर्ज करवाई। 26 सितंबर को महिला थाने में अनुराग को तलब किया गया था। उज्जैन महिला थाने की तत्कालीन टीआई, मधुबाला राठौर ने तामश्री द्वारा पति अनुराग के खिलाफ शिकायत की पुष्टि की थी।

मुख्यमंत्री ने नागरिकों को नव संवत्सर, चैत्र नवरात्र, गुड़ी पड़वा और चेटीचंड की मंगलकामनाएं दीं

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नागरिकों को नवसंवत्सर , चैत्र नवरात्र, गुड़ी पड़वा और चेटीचंड की बधाई और मंगलकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय नव वर्ष विक्रम संवत से प्रारंभ होता है। अंग्रेजी कैलेंडर के प्रचलन के बाद भी हमारी संस्कृति से जुड़े नव संवत्सर, गुड़ी पड़वा पर्व, चेटीचंड के त्योहार और चैत्र नवरात्र का अपना महत्व है। भारतीय समाज का बहुत बड़ा हिस्सा इन मंगल पर्वों को उल्लासपूर्वक मनाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नव संवत्सर 2082 का आरंभ हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी प्रदेशवासियों को पर्व, त्योहारों की बधाई देते हुए प्रदेश के विकास के यज्ञ में सहभागिता की अपेक्षा भी की है।

एमवाय में घटित घटना की जाँच के लिए कलेक्टर ने दिए आदेश

इंदौर। महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय इंदौर में उपचार हेतु आने वाले मरीजों को उपलब्ध संसाधन एवं सुविधाओं में उपचार नहीं करते हुए प्राइवेट हास्पिटल में उपचार हेतु भेजे जाने संबंधी शिकायत विभिन्न माध्यमों से प्राप्त हुई है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने इस घटना पर संज्ञान लेते हुए शिकायत की जाँच के लिए जिला पंचायत के सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन की अध्यक्षता में एक जाँच कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी में एम वाई हास्पिटल के अधीक्षक डॉक्टर अशोक यादव डीएचओ इन्दौर डॉक्टर हेमंत गुप्ता भी शामिल हैं। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आदेशित किया है कि उक्त समिति 10 दिवस की समयावधि में शिकायतों की सूक्ष्मता से जाँच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी। समिति इस संबंध में जिन प्राइवेट हास्पिटल हास्पिटल की संबद्धता उजागर हो रही है उस संदर्भ में भी जाँच करेगी।

कांग्रेस कमेटी ने इंदौर में कांग्रेस के नए अध्यक्ष की चर्चा तेज, चौंका सकते हैं जीतू पटवारी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने इंदौर शहर और जिले में कांग्रेस के नए अध्यक्ष के नाम को लेकर चर्चा शुरू कर दी है। कांग्रेस में प्रभावी और दमदार नेताओं की कमी महसूस की जा रही है। ऐसे में पार्टी उन नेताओं को प्राथमिकता देने का विचार कर रही है, जो अपनी जेब से संगठन का खर्च उठाने में सक्षम हों। वर्तमान में पार्टी को वित्तीय संकट का सामना भी करना पड़ रहा है, जिससे यह स्पष्ट है कि नए अध्यक्षों को चंदा जुटाने और संगठन को चलाने के लिए अपनी व्यक्तिगत क्षमताओं का इस्तेमाल करना होगा।

कांग्रेस ने अपने संगठन को फिर से मजबूत करने का फैसला लिया है। पहले कांग्रेस का ध्यान ब्लॉक अध्यक्ष की नियुक्ति पर था, लेकिन अब पार्टी की प्राथमिकता यह तय की गई है कि सबसे पहले शहर और जिला अध्यक्ष के नाम तय किए जाएं। इन पदों पर नए व्यक्तियों की नियुक्ति की जाएगी, और इसके बाद ब्लॉक और वार्ड अध्यक्षों पर ध्यान दिया जाएगा। पार्टी के पिछले विधानसभा चुनावों में जिन क्षेत्रों में कांग्रेस के प्रत्याशी थे, उन्हें संगठन के मामलों में भी प्राथमिकता दी जा रही है, जबकि कुछ नेता भाजपा में शामिल हो चुके हैं, ऐसे क्षेत्रों में कांग्रेस अब भी प्रभावी नेतृत्व तलाशने में जुटी है।

शहर और जिला अध्यक्ष के लिए संभावित नाम

इंदौर शहर और जिला अध्यक्ष के चयन पर विचार विमर्श का दौर लगातार जारी है। हाल ही में, पटवारी ने इंदौर शहर के प्रमुख कांग्रेस नेताओं से मिलकर इस मुद्दे पर चर्चा की। इंदौर शहर अध्यक्ष के पद के लिए अमन बजाज का नाम पहले प्रमुख दावेदार के रूप में सामने आया था, लेकिन उन्होंने प्रदेश इकाई के गठन के समय इस्तीफा देने का ऐलान किया, जिसके बाद उनका नाम पीछे हो गया। वहीं, इंदौर जिला अध्यक्ष के लिए राधेश्याम पटेल और मनीष पटेल के नाम पर विचार किया जा रहा है। पटवारी के समर्थक मनीष पटेल का नाम भी इस पद के लिए प्रबल दावेदार के रूप में उभर रहा है।

चुनौतीपूर्ण स्थिति में जीतू पटवारी का नेतृत्व

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, जीतू पटवारी, खुद इंदौर के निवासी हैं और उनके गृहक्षेत्र में पार्टी को मजबूत करना उनके लिए एक चुनौती भी है और आवश्यक भी। पार्टी लंबे समय से सत्ता से बाहर है, जिससे उसे चंदा भी कम प्राप्त हो रहा है। इस स्थिति में पार्टी ऐसे नेताओं को प्राथमिकता देने वाली है जो अपनी व्यक्तिगत क्षमताओं से पार्टी को आर्थिक रूप से सहारा दे सकें। यह कदम संगठन को मजबूत बनाने और पार्टी को इंदौर में बेहतर स्थिति में लाने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन से करेंगे जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ

इंदौर। प्रदेश में वर्षा जल की बूंद-बूंद बचाने का जल गंगा संवर्धन महा अभियान गुड़ी पड़वा के दिन 30 मार्च से शुरू होने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन स्थित क्षिप्रा तट पर वरुण (जल देवता) पूजन और जलाभिषेक के साथ जल गंगा संवर्धन अभियान का विधिवत शुभारंभ करेंगे। यह प्रदेशव्यापी अभियान ग्रीष्म ऋतु में 30 जून तक 90 दिन से अधिक समय तक लगातार चलेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव हर दिन एक छोटी-बड़ी जल संरचना को लोकार्पित करेंगे। जल संरक्षण के इस अभियान से प्रदेश में भूजल स्तर में सुधार आएगा। पानी की बूंद-बूंद बचाएं, तभी हमारी सांसें बचेंगी। मध्यप्रदेश सरकार जन, जल, जंगल, जमीन और वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए संकल्पित है।

इंदौर में अहिल्या समारोह में शामिल होंगी राष्ट्रपति, उज्जैन में भी आयोजन की तैयारी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

लोकमाता देवी अहिल्या के त्रिशाताब्दी वर्ष पर इंदौर में 29 से 31 मई को प्रदेशभर में आयोजन होंगे। मुख्य कार्यक्रम इंदौर के बास्केटबॉल स्टेडियम में होगा जिसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा एक बड़ा आयोजन उज्जैन में करने पर भी शुक्रवार को आयोजित बैठक में चर्चा हुई है। इसकी रुपरेखा तैयार की जा रही है। इंदौर में एक बड़ी शोभायात्रा भी निकाली जा सकती है।

देवी अहिल्य बाई का जन्म 31 मई को 1725 में महाराष्ट्र के ग्राम चौढ़ी में हुआ था। इंदौर में हर साल 31 मई को कार्यक्रम होते है, लेकिन इस बार 300 वीं जयंती होने के कारण बड़े पैमाने पर कार्यक्रम होंगे। इसकी तैयारियों को लेकर भोपाल में मुख्यमंत्री ने बैठक ली थी। जिसमें उत्सव समिति से जुड़े पदाधिकारी भी शामिल हुए थे। बैठक में अशोक डागा, माला ठाकुर सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि माहेश्वरी साड़ी सिर्फ मध्य प्रदेश तक सीमित नहीं रहे। देवी अहिल्या ने महाराष्ट्र, उड़ीसा, कर्नाटक, बिहार, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड सहित अन्य राज्यों में लोककल्याण के काम किए है। उन स्थानों पर भी माहेश्वरी साड़ी के बिक्री केंद्र प्रदेश सरकार खोलेगी। बैठक में यह भी बताया गया कि जयंती के उपलक्ष्य में महिला स्टार्टअप पॉलिसी भी बनाई जा रही है। नर्मदा परिक्रमा पथ पर भी देवी अहिल्या ने कई घाट और मंदिरों निर्माण किया है। सरकार विचार कर रही है कि परिक्रमा पथ के कुछ स्थानों पर देवी अहिल्या की प्रतिमा लगाई जाए। इसके अलावा महेश्वर घाट पर लाइट एंड साउंड शो भी संस्कृति व पर्यटन विभाग शुरू करने जा रहा है। जल्दी ही इसकी शुरूआत होगी।

आज और ईद पर भी खुले रहेंगे पंजीयन निगम कार्यालय, समय भी बढ़ाया

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

नए वित्तिय वर्ष के पहले इंदौर में सरकार के खजाने में भरपूर टैक्स जमा हो रहा है। इसके अलावा कलेक्टर गाइडलाइन बढ़ने का असर भी देखा जा रहा है। लोग 31 मार्च से पहले रजिस्ट्रियां करा रहे है। शनिवार, रविवार और सोमवार को ईद का अवकाश है, लेकिन पंजीयन कार्यालय और नगर निगम के राजस्व काउंटर तीनों दिन खुले रहेंगे। व्यवस्थाएं संभालने के लिए अतिरिक्त स्टॉफ भी लगाया गया है।

नगर निगम ने बकाया करों के भुगतान के लिए शनिवार, रविवार व सोमवार को अवकाश के दिनों में राजस्व मुख्यालय, सभी 22 झोनों के केश काउंटर को खुले रखने का फैसला लिया है। नगर निगम अग्रिम कर जमा करने वालों को छह प्रतिशत छूट भी दे रहा है।

सरकारी विभागों से भी निगम के खजाने में राशि जमा हुई है। इसमें दूरदर्शन कार्यालय, इंदौर विकास प्राधिकरण ने राशि जमा की है। इसके अलावा सेंट्रल जेल प्रशासन ने 13 लाख रुपये, देवी अहिल्या विश्व विद्यालय ने 35 लाख, महिला व बाल विकास विभाग ने 54 लाख रुपये जमा किए है। आरआर कैट से भी निगर निगम ने 32 लाख रुपये का टैक्स जमा कराया है। यह सरकारी संस्थान वर्षों से लंबे समय से नगर निगम को टैक्स नहीं दे रहे थे। पुलिस विभाग, सीपीडब्लूडी से अभी तक नगर निगम को राशि नहीं मिली है।

रात आठ बजे तक खुला रहेगा पंजीयन कार्यालय

अगले तीन दिनों तक शहर के चार पंजीयन कार्यालय पांच बजे के बजाए रात आठ बजे तक खुले रहेंगे और लोग अपने संपत्तियों की रजिस्ट्रियां करवा सकेंगे। पंजीयन विभाग को अगले तीन दिन में 100 करोड़ रुपये का राजस्व जमा होने की उम्मीद है। इंदौर में एक अप्रैल से कलेक्टर गाइडलाइन में इजाफा होगा।10 से लेकर 30 प्रतिशत तक तक कलेक्टर गाइड लाइन बढ़ जाएगी। इस वजह से लोग 31 मार्च से पहले रजिस्ट्री करा रहे है।

चोरों को अपना आदर्श ना बनाएँ...

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

दोस्तों, समाज में जीवन मूल्यों के गिरते स्तर को देख अक्सर लोग टिप्पणी करते या इस पर शिकायत करते तो नजर आते हैं, लेकिन साथ ही गिरते जीवन मूल्यों की असली सच्चाई को जानने और मानने से दूर भागते भी नजर आते हैं। चलिए आज मैं आपको एक ऐसी कहानी सुनाता हूँ जो हमारे समाज को आईना दिखाती है।

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)
ग्लोबल हेराल्ड

बात कई साल पुरानी है, एक दिन एक शिक्षक बैंक से अपनी सैलरी निकाल कर खुशी-खुशी अपने घर जाने के लिए निकले। कुछ दूर पैदल चलकर उन्होंने एक बस पकड़ी, जो पहले से ही खचाखच भरी हुई थी। जैसे-तैसे वे भीड़ में जगह बनाकर खड़े हो गए। बस की इस भीड़ में एक शातिर चोर और जेबकतरा भी था, जिसने मौक़ा पाते ही शिक्षक की जेब से उनका पूरा वेतन चुरा लिया और आराम से थोड़ा आगे जाकर खड़ा हो गया। कुछ देर बाद कंडक्टर शिक्षक के पास पहुंचा। उसे देखते ही शिक्षक ने अपनी जेब में हाथ डाला, लेकिन वहाँ कुछ भी ना पा उनका चेहरा शर्म से लाल हो गया और जुबान लड़खड़ाने लगी। कंडक्टर शिक्षक की स्थिति तुरंत भाँप गया और हँसते हुए उनपर तंज कसते हुए बोला, 'क्या बात है गुरुजी? समाज में इतना बड़ा नाम और जेब में किराए के पैसे भी नहीं?' कंडक्टर अभी अपनी बात पूर्ण भी नहीं कर पाया था कि पीछे बैठा एक व्यक्ति हँसते हुए ऊँची आवाज में बोला, 'क्या जमाना आ गया है, लोगों को संस्कारों की शिक्षा देने वाले आज स्वयं बिना टिकिट यात्रा करने का प्रयास कर रहे हैं।' ड्राइवर और सहयात्रियों के व्यंग्य और बस में सवार यात्रियों की हंसी ने शिक्षक को और भी शर्मिंदा कर दिया। वे अपने दोनों हाथ जोड़कर कुछ कहने का प्रयास ही कर रहे थे कि तभी चोर एकदम से बोला, 'यह क्या कर रहें हैं गुरुजी? मैं जानता हूँ कि आप कितने संस्कारवान और अच्छे हैं। लोगों की बातों को नजरअंदाज कीजिए।' बस में मौजूद लोगों के सामने खुद को नेकदिल साबित करते हुए चोर कंडक्टर की ओर देखता हुआ बोला, 'कंडक्टर भाई, चिंता मत करो। गुरुजी का किराया मैं दूंगा। आखिर शिक्षा देने वाले का सम्मान हम सभी को करना चाहिए।' उसके शब्दों को सुनते ही पूरी बस तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज गई। शिक्षक भी उसके इस नेकदिल कार्य को देख नतमस्तक थे। उन्होंने चोर को आशीर्वाद देते हुए कहा, 'ईश्वर आपको हमेशा खुश रखे और समाज में आपके समान दयालु लोग और बढ़ें।' शिक्षक के इन शब्दों को सुन बस में बैठे अन्य यात्रियों ने भी चोर की उदारता की प्रशंसा की और उसे दुआएँ दीं। मजे की बात तो यह है दोस्तों, कि पूरी बस में किसी को ये एहसास भी नहीं हुआ कि वे जिसके गुण गा रहे हैं, वही असल में शातिर चोर और जेबकतरा है और शिक्षक की लूट का गुनहगार है।' दोस्तों, कहने के लिए यह एक कहानी है, लेकिन कहीं ना कहीं यह हमारे समाज की एक कड़वी सच्चाई की ओर इशारा भी करती है। आज भी हमारे समाज में ऐसे कई चोर मौजूद हैं, जो पहले हमारा सब कुछ छीन लेते हैं और फिर उसी चोरी किए गए धन का छोटा सा हिस्सा लौटाकर हमारी नज़रों में महान बन जाते हैं। उनके इस छोटे से नेकदिल कार्य को देख, हम उन्हें सम्मानित करते हैं, उनकी जय-जयकार करते हैं। लेकिन यहाँ मेरे मन में एक सवाल आता है, 'आखिर कब तक हम ऐसे ही गलती करते रहेंगे और चोरों का महिमा मंडन करते रहेंगे? थोड़ा गहराई से सोच कर देखियेगा दोस्तों, बढ़ता भ्रष्टाचार, गिरते जीवन मूल्य, कहीं ना कहीं ग़लत लोगों का महिमा मंडन करने और उनकी नक़ली उदारता को असली मान कर उन्हें अपना आदर्श बनाने की वजह से है। इसी वजह से कहीं ना कहीं 'बसों' में याने हमारे समाज में चोर बढ़ते जा रहे हैं। दूसरे शब्दों में कहूँ तो ग़लत तरीकों के साथ ख़ुद को आराम से समाज में स्थापित कर लेने का यह सूत्र ही कहीं ना कहीं लोगों को चोर बनने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। दोस्तों, अगर आप वाकई अच्छे समाज में रहने के इच्छुक हैं तो आज से ही चोरों द्वारा उदारता दिखाने की कोशिश करने पर उनकी असलियत को पहचानिए। उनसे सवाल पूछिए और सच्चाई को सामने लाइए। यही समाज को बेहतर बनाने का एकमात्र तरीका है।

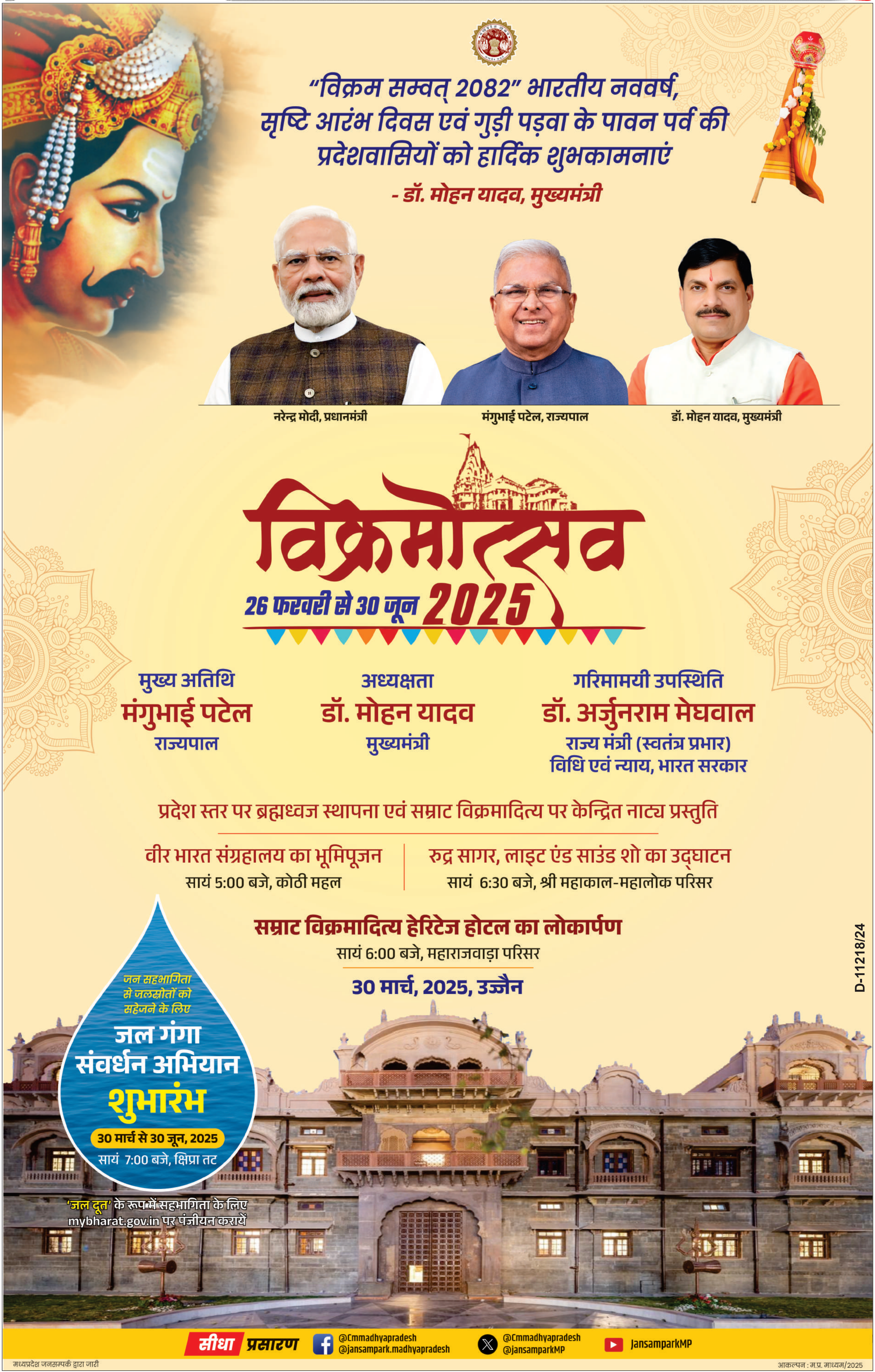
"विक्रम सम्वत् 2082" भारतीय नववर्ष,
सृष्टि आरंभ दिवस एवं गुड़ी पड़वा के पावन पर्व की
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
मंगुभाई पटेल, राज्यपाल
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
विक्रमोत्सव
26 फरवरी से 30 जून 2025
मुख्य अतिथि
मंगुभाई पटेल
राज्यपाल
अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री
गरिमामयी उपस्थिति
डॉ. अर्जुनराम मेघवाल
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
विधि एवं न्याय, भारत सरकार
प्रदेश स्तर पर ब्रह्मध्वज स्थापना एवं सम्राट विक्रमादित्य पर केन्द्रित नाट्य प्रस्तुति
वीर भारत संग्रहालय का भूमिपूजन
सायं 5:00 बजे, कोठी महल
रुद्र सागर, लाइट एंड साउंड शो का उद्घाटन
सायं 6:30 बजे, श्री महाकाल-महालोक परिसर
सम्राट विक्रमादित्य हेरिटेज होटल का लोकार्पण
सायं 6:00 बजे, महाराजवाड़ा परिसर
30 मार्च, 2025, उज्जैन
D-11218/24
जन सहभागिता से जलस्रोतों को सहेजने के लिए
जल गंगा संवर्धन अभियान
शुभारंभ
30 मार्च से 30 जून, 2025
सायं 7:00 बजे, क्षिप्रा तट
'जल दूत' के रूप में सहभागिता के लिए
mybharat.gov.in पर पंजीयन करायें
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

प्रतिरोध दिवस पर संयुक्त किसान मोर्चा ने संभाग आयुक्त कार्यालय पर किया प्रदर्शन, दिया ज्ञापन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर पंजाब में किसान नेताओं की गिरफ्तारी और दमन के खिलाफ आज देश भर में संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े संगठनों ने प्रतिरोध दिवस मनाया इस अवसर पर इंदौर में संयुक्त में किसान मोर्चा से जुड़े संगठन किसान संघर्ष समिति अखिल भारतीय किसान सभा अखिल भारतीय किसान मजदूर संगठन और किसान मजदूर सेवा में संयुक्त रूप से संभाग आयुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन किया और ज्ञापन देकर पंजाब सरकार और भाजपा सरकार द्वारा पंजाब में किसानों की गिरफ्तारियां और दमन किया पर अपना रोष जाहिर किया।

प्रदर्शन का नेतृत्व रामस्वरूप मंत्री, बबलू जाधव, अरुण चौहान, सोनू शर्मा, चंदन सिंह बड़वाया, प्रमोद नामदेव विरेन्द्र पाटीदार आदि ने किया। संभाग आयुक्त के माध्यम से राज्यपाल के नाम दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि पिछले कुछ समय से पंजाब सरकार केंद्र सरकार के साथ मिलकर किसानों की जायज मांगों के लिए चल रहे संघर्ष के खिलाफ पुलिस के जरिए दमन अभियान चला रही है। पिछले दिनों संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा चंडीगढ़ में 5 मार्च से किये जाने वाले सात दिवसीय धरने को तारपीडो कर पूरे प्रदेश को खुली जेल में तब्दील कर दिया गया। 19 मार्च को केंद्र सरकार के मंत्रियों से बातचीत कर लौट रहे किसान नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। शंभू और खनौरी में बुलडोजर चलाकर किसानों के धरना स्थलों को जबरन उठा दिया गया। ट्रैक्टर ट्रॉलियों सहित किसानों के उपकरण तोड़ दिए गए। राज्य में पुलिस राज स्थापित कर जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों को कुचला जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निदेर्शों के बावजूद लोगों के घरों को बुलडोजर से ध्वस्त करना इसके प्रमाण हैं। ऐसी परिस्थितियों में संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े किसान संगठन एवं विभिन्न लोकतांत्रिक न्यायप्रिय जनसंगठनो ने संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले आज राष्ट्रव्यापी प्रतिरोध दिवस मनाया जा रहा है। ज्ञापन में मांग की गई कि पुलिस द्वारा किया जा रहा अंधाधुंध बल प्रयोग बंद किया जाए तथा जनता के संघर्ष के लोकतांत्रिक अधिकार को बहाल किया जाए।

अक्षत साहू को द्वितीय स्थान प्राप्त

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। शासकीय महाविद्यालय राऊ, इन्दौर की एनएसएस ईकाई के स्वयंसेवक अक्षत साहू ने राज्य स्तरीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर अमरकंटक में 2 मार्च से 8 मार्च तक सहभागिता कर महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। आपने शिविर के दौरान आयोजित रील मेकिंग प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

राज्यपाल पटेल ने सिकलसेल एनीमिया उन्मूलन के लिए दिया संदेश

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

राज्यपाल मंगुभाई पटेल आज महात्मा गांधी स्मृति मेडिकल कॉलेज इंदौर में राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि समाज में प्रत्येक व्यक्ति सिकलसेल उन्मूलन के लिए अपना योगदान अवश्य दे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक सिकलसेल एनीमिया के उन्मूलन का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समाज के हर वर्ग का सहयोग आवश्यक है। मध्यप्रदेश, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के बाद देश का तीसरा ऐसा राज्य है जहां सिकलसेल एनीमिया के सर्वाधिक प्रभावित मरीज हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में जागरूकता और शिक्षा के द्वारा इस बीमारी की रोकथाम संभव है।

42 साल पहले की कहानी से बताया एनीमिया का दर्द- सिकलसेल एनीमिया पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने अपने उद्बोधन में 42 साल पहले की पीड़ा और करुणा की कहानी बतायी। उन्होंने कहा कि जब वे गुजरात में कॉरपोरेटर थे, तब उन्होंने पहली बार सिकलसेल एनीमिया की त्रासदी को देखा था। पड़ोस के सिकल सेल एनीमिया से प्रभावित एक बच्चे को वे बम्बई में डॉ. ढोलकिया के पास में इलाज के लिए ले गए थे, किन्तु उस बच्चे को बचाया नहीं जा सका था। इसी तरह उन्होंने मार्मिक ढंग से बताया कि किस तरह पड़ोस की छोटी बच्ची जो उनके गोद में खेला करती थी, इसी बीमारी की वजह से महज 4 दिनों में मृत्यु को प्राप्त हो गई। पटेल ने कहा कि हम सबकी जिम्मेदारी है कि हमारे परिवार, आस-पास और समुदाय में रोग उन्मूलन के लिए जनजागृति हो। इसके लिए जरुरी है कि रोग के जेनेटिक काउंसलिंग में समाज का हर व्यक्ति सहयोग करे। सिकल सेल रोग के उन्मूलन प्रयासों में योगदान करें। यह भी जरुरी है कि जेनेटिक कार्ड के मिलान के बाद ही विवाह करें, हर गर्भवती महिला, शिशु के स्वास्थ्य जांच के प्रति सोशल कॉन्शसनेस हो। कार्यक्रम के प्रारम्भ में डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। अधीक्षक डॉ. अशोक यादव ने बताया कि एमवाय हॉस्पिटल में ब्लड बैंक से सिकल सेल एनीमिया के रोगियों को जीवन रक्षक मदद मिल रही है। मिशन की डिप्टी डायरेक्टर रूही खान ने कहा कि महामहिम राज्यपाल मंगुभाई पटेल की संवेदनशीलता के कारण मिशन मध्य प्रदेश में सफल सिद्ध हुआ है। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने इस अवसर पर कहा कि मालवा के जनजातीय अंचल में सिकल सेल एनीमिया के रोगियों को एमवाय हॉस्पिटल से महत्वपूर्ण मदद मिल रही है। ये हर्ष का विषय हैं कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दूरदर्शिता से सरकार इस अस्पताल का उन्नयन करेगी और इसके लिए साढ़े 700 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की है। केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने इस अवसर पर कहा कि सिकलसेल के लिए अधिकतम जागरूकता और शिक्षा जरूरी है। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प वर्ष 2047 तक अवश्य पूरा होगा। केंद्रीय राज्यमंत्री दुगार्दास उइके ने अपने संबोधन में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल को समाज के प्रति समर्पित और संवेदनशील राज्यपाल बताया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल महोदय राजभवन तक कभी सीमित नहीं रहे, उन्होंने मध्य प्रदेश के प्रत्येक ज़िले में जाकर सिकल सेल एनीमिया के लिए जन चेतना को जागृत किया है।

पुलिस निशानेबाजी प्रतियोगिता में भी पहुंचे राज्यपाल

सीमा सुरक्षा बल (सीएसडब्ल्यूटी) के केंद्रीय आयुद्ध एवं युद्ध कौशल विद्यालय में 24 मार्च से 29 मार्च 2025 तक 18वीं अखिल भारतीय पुलिस निशानेबाजी खेल प्रतियोगिता -2024 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। रेवती रेंज इंदौर में समापन समारोह के दौरान मध्य प्रदेश के राज्यपाल माननीय मंगूभाई सी पटेल मुख्य अतिथि थे। उन्होंने आज इंदौर के उज्जैन रोड स्थित सीएसडब्ल्यूटी के रेवती रेंज में आयोजित समापन समारोह के बाद खेलों के समापन की घोषणा की।

इंदौर की मांस-मटन दुकानों के लिए सख्त आदेश, खास दिनों पर रहेंगी बंद-भार्गव

भोपाल में भी लागू होंगे समान आदेश

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने 4 दिनों तक मांस-मटन की दुकानों को बंद रखने का आदेश जारी किया है। इस आदेश में कहा गया है कि इन दिनों मांस-मटन की दुकानें पूरी तरह से बंद रहेंगी। यह आदेश 30 मार्च (गुड़ी पड़वा/चेटीचंड), 6 अप्रैल (रामनवमी), 10 अप्रैल (महावीर जयंती) और 12 मई (बुद्ध जयंती) के दिनों में लागू होगा। महापौर ने स्पष्ट किया कि यदि इन आदेशों का उल्लंघन किया जाता है और मांस-मटन की बिक्री जारी रहती है, तो नगर निगम सख्ती से कार्रवाई करेगा। पिछले साल भी इसी प्रकार का आदेश जारी किया गया था और प्रशासन ने इसे सख्ती से लागू किया था।

भोपाल में भी मांस-मटन की दुकानों को बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं। नगर निगम ने 30 मार्च (चेटीचंड), 6 अप्रैल (रामनवमी), 10 अप्रैल (महावीर जयंती) और 12 मई (बुद्ध जयंती) को मांस की दुकानों को बंद रखने का निर्णय लिया है। निगम ने साफ कर दिया है कि इन दिनों मांस बेचते हुए पाए जाने वाले दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उनकी दुकान का लाइसेंस निरस्त किया जाएगा और पुलिस कार्रवाई भी की जाएगी। इस निर्णय का पालन न करने पर कठोर कदम उठाने की चेतावनी दी गई है।

भाजपा विधायक का बयान

भोपाल के भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने इस आदेश को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि विभिन्न राजनीतिक पार्टियां जैसे कांग्रेस, सपा और बसपा गंगा-जमुनी तहजीब का प्रचार करती हैं और सभी धर्मों का सम्मान करने की बात करती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदुओं की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए, खासकर जब उन्होंने मांस-मटन की दुकानों को इन विशेष दिनों में बंद रखने की अपील की हो। रामेश्वर शर्मा ने यह भी कहा कि वह डंडे के बल पर दुकानों को बंद नहीं कराना चाहते, बल्कि यह हिंदू समुदाय की एक निवेदन है और सभी से इसे समझने की अपील की है।

धार्मिक भावना का सम्मान

रामेश्वर शर्मा ने आगे कहा कि यह कोई बड़ी बात नहीं है कि कुछ दिनों के लिए मांस का सेवन बंद कर दिया जाए। उनके अनुसार, अगर लोग इन कुछ खास दिनों में मांस का सेवन नहीं करेंगे, तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा और धरती पर किसी का अस्तित्व खतरे में नहीं आएगा। उन्होंने यह भी कहा कि उन राजनीतिक नेताओं को जो विभिन्न धर्मों का सम्मान करने की बात करते हैं, उन्हें इस मुद्दे पर भी हिंदुओं की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। इस संदर्भ में, उन्होंने इमामों से भी अपील की कि वे समझाएं कि सबको इन विशेष दिनों में मांस का सेवन न करने की भावना का सम्मान करना चाहिए।

डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर 14 को जन्मस्थली स्मारक महू में होगा विशाल समागम

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 14 अप्रैल को डॉ. बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जयंती उत्सव समारोह पूर्ण आस्था के साथ इंदौर जिले के डॉ. अंबेडकर नगर (महू) में मनाया जायेगा। इस दिन डॉ. बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जन्मस्थली स्मारक पर बाबा साहब अम्बेडकर जी को समर्पित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जयंती उत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं कि मेहमानों की तरह राज्य शासन द्वारा आवभगत की जाएगी। श्रद्धालुओं के लिए आवास, भोजन, शीतल पेयजल आदि की विशेष व्यवस्था की जाएगी। जन्म स्थली पर बने भव्य स्मारक पर विशेष साज-सज्जा की जाएगी। फूलों और विद्युत रोशनी से सजावट होगी।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आज डॉ. अंबेडकर नगर (महू) पहुंच कर जयंती उत्सव में की जाने वाली व्यवस्थाओं की समीक्षा की और अंतिम रूप दिया। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आयोजन की व्यवस्थाओं से जुड़े अधिकारियों की बैठक ली। कलेक्टर श्री सिंह ने डॉ. बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जन्म स्थली पर बने स्मारक का अवलोकन भी किया और वहां की जाने वाली व्यवस्थाओं को भी देखा। साथ ही श्री सिंह स्वर्ग मंदिर महाविद्यालय परिसर भी पहुंचे। यहां की व्यवस्थाएं भी उन्होंने देखी। बैठक में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्रीमती हितिका वासल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री रुपेश द्विवेदी, एसडीएम महू श्री राकेश परमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए जिससे कि श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

सड़कों पर उतरे सैकड़ों छात्र, देर रात दिया धरना

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के एग्रीकल्चर कॉलेज के डीन को हटाने के लिए छात्रों ने आज कैंडल मार्च किया। एग्रीकल्चर कॉलेज से रीगल तिराहे तक आयोजित इस कैंडल मार्च में बड़ी संख्या में छात्र शामिल हुए। सभी छात्र देर रात तक धरने पर बैठे रहे। हालांकि छात्रों का कहना है कि यह धरना सिर्फ प्रतीकात्मक रूप से किया गया है और प्रशासन को चेतावनी है कि यदि टीम को नहीं हटाया गया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

छात्रों ने डीन के ऊपर गंभीर आरोप लगाए हैं और कहा है कि महिला प्रोफेसर को परेशान करने से लेकर छात्रों तक को दिन ने लगातार परेशान किया। उनके ऊपर कई आरोप लगे हैं जिनकी जांच भी चल रही है। यह बेहद चौंकाने वाली बात है कि इतनी जांचों के बावजूद भी डीन का इस्तीफा नहीं लिया जा रहा है। छात्रों ने आरोप लगाया कि यूनिवर्सिटी डीन को बचाने की कोशिश कर रही है और यदि इसी तरह से चलता रहा तो छात्र सड़क पर बड़े आंदोलन के लिए मजबूर हो जाएंगे।

मंत्री ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कनाडिया तालाब का अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की परिकल्पना के तहत जल गंगा संवर्धन अभियान के अन्तर्गत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कनाड़िया में प्रस्तावित दौरे को लेकर शनिवार को जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने सांवेर विधानसभा के वार्ड क्रमांक 76 के कनाडिया में स्थित तालाब का निरीक्षण किया। इस अवसर पर कलेक्टर आशीष सिंह एवं आयुक्त नगर पालिक शिवम वर्मा भी मौजूद थे।

निरीक्षण के दौरान मंत्री सिलावट द्वारा तालाब के गहरीकरण एवं सौन्दर्यीकरण के लिये अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गए। उन्होंने बताया कि उक्त तालाब का गहरीकरण एवं सौन्दर्यीकरण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण तैयारियां समयबद्ध तरीके से की जाए। इस अवसर पर उन्होंने तालाब की पाल से सफाई की समुचित व्यवस्था करने एवं आम जन के श्रमदान की रूपरेखा को लेकर निर्देश दिये। इसके पश्चात समीप ही कनाडिया में मुख्यमंत्री के सभा स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिये गए। इसके पश्चात मंत्री सिलावट ने कनाडिया में ही इन्दौर विकास प्राधिकरण द्वारा लगभग 50 लाख रुपए की लागत से तैयार किये जा रहे अति प्राचीन अहिल्या बावडी का निरीक्षण किया और लोकार्पण हेतु शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये।

इंदौर का मास्टर प्लान: आधुनिकता, गुणवत्ता और समग्र विकास की नई पहल

सुरेश हरियानी
लेखक (सचिव, मालवा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज)
ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के विकास को नई दिशा देने के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा मास्टर प्लान को क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य और महानगरीय दृष्टिकोण के अनुरूप बनाने की घोषणा एक ऐतिहासिक निर्णय है। यह केवल एक योजना भर नहीं, बल्कि इंदौर को भविष्य के लिए एक विश्वस्तरीय शहर के रूप में विकसित करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह पहल न केवल शहर की संरचनात्मक जरूरतों को पूरा करेगी, बल्कि आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक विकास को भी नया आयाम देगी।

सरकार और प्रशासन की इस सकारात्मक पहल के पीछे एक सुविचारित दृष्टिकोण है, जो इंदौर के विकास को सतत, सुव्यवस्थित और जनहितैषी बनाने पर केंद्रित है। यह अत्यंत सराहनीय है कि सरकार ने मास्टर प्लान को तैयार करने में क्षेत्रीय आवश्यकताओं को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है, जिससे शहर का संतुलित विकास सुनिश्चित हो सके। शासन और प्रशासन इंदौर को न केवल एक महानगर के रूप में बल्कि एक स्मार्ट, सुविधाजनक और पर्यावरण के अनुकूल शहर के रूप में विकसित करने के लिए कृतसंकल्पित हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी ने भी अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया है कि नई सदी में वही देश प्रगति कर सकते हैं जो अपने शहरों को सुव्यवस्थित और आधुनिक बनाने में सफल होते हैं। उन्होंने कहा कि विकसित देशों की तरक्की का एक बड़ा कारण उनकी मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविचारित मास्टर प्लान है। उदाहरण के लिए, सिंगापुर, टोक्यो, दुबई और लंदन जैसे शहरों ने अपने मास्टर प्लान के माध्यम से न केवल बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ किया है बल्कि पर्यावरण के संरक्षण और स्मार्ट तकनीकों के उपयोग को भी प्राथमिकता दी है। सिंगापुर जैसे छोटे से देश ने अपनी सीमित भूमि का कुशल प्रबंधन करते हुए उसे विश्व के सबसे उन्नत और सुविधाजनक शहरों में बदल दिया है। उनके मास्टर प्लान में उच्च गुणवत्ता के निर्माण, हरित क्षेत्रों का संरक्षण और तकनीकी विकास को समान महत्व दिया गया है। इसी प्रकार, दुबई ने अपने मास्टर प्लान के तहत रियल एस्टेट और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों और योजनाओं का उपयोग किया है। यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि इंदौर के मास्टर प्लान में न केवल भौतिक विकास बल्कि तकनीकी, सामाजिक और पर्यावरणीय पहलुओं को भी समान महत्व दिया जाए। शासन द्वारा नागरिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित करना अत्यंत आवश्यक है। जनसुनवाई और संवाद के माध्यम से सरकार ने हमेशा जनता की जरूरतों को समझने और उनके सुझावों को योजना में शामिल करने की पहल की है। पारदर्शिता शासन की एक महत्वपूर्ण नीति रही है, और इसी को ध्यान में रखते हुए मास्टर प्लान के क्रियान्वयन में भी पूरी पारदर्शिता बरती जाएगी। जब नागरिकों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी और प्रगति से अवगत कराया जाता है, तो वे न केवल उसका समर्थन करते हैं बल्कि सक्रिय भागीदारी के लिए भी प्रेरित होते हैं। शासन की यह पहल विश्वास और सहयोग की भावना को और अधिक सशक्त बनाएगी। तकनीकी विशेषज्ञता का समुचित उपयोग भी इस योजना को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक सिद्ध होगा। इंदौर, जो पहले ही स्वच्छता और शहरी प्रबंधन में देश में अग्रणी रहा है, अब एक नए आयाम की ओर बढ़ रहा है, जहां स्मार्ट प्लानिंग, आधुनिक तकनीकों और नवीनतम शहरी विकास मॉडल को अपनाया जाएगा। यह शासन की दूरदर्शिता को दशार्ता है, जो इंदौर को सिर्फ एक बड़ा शहर बनाने से कहीं आगे, एक आदर्श शहर बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास शासन की प्राथमिकताओं में हमेशा रहा है, और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि मास्टर प्लान में भी यह तत्व प्रमुखता से शामिल रहे। शहर का हरित संतुलन बनाए रखना, टिकाऊ बुनियादी ढांचे का निर्माण करना और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना, ये सभी कारक इंदौर को एक पर्यावरण अनुकूल शहर के रूप में विकसित करने में सहायक होंगे। आर्थिक दृष्टि से भी इस मास्टर प्लान का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए शासन ने एक मजबूत रणनीति अपनाई है। निवेश को आकर्षित करने, वित्तीय संसाधनों का कुशल उपयोग करने और सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देने के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि विकास के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध रहें। अर्थव्यवस्था की दृष्टि से भी इस योजना की सफलता इसके आर्थिक प्रबंधन पर निर्भर करेगी। योजना के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधनों की पहचान और उनका कुशल प्रबंधन बेहद आवश्यक है। बजट आवंटन, निवेश योजनाएं और सार्वजनिक-निजी भागीदारी जैसे उपायों के माध्यम से इस योजना को व्यवहारिक रूप से क्रियान्वित किया जा सकता है। अब समय आ गया है कि हम केवल घोषणाओं पर आश्रित न रहें, बल्कि अपनी सक्रिय भागीदारी से इस मास्टर प्लान को एक जीवंत हकीकत में बदलें। यह उपलब्धि केवल वर्तमान पीढ़ी के लिए नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक प्रेरणा बनेगी। यह हमारा कर्तव्य है कि हम इस ऐतिहासिक अवसर को व्यर्थ न जाने दें और एक ऐसा इंदौर विकसित करें, जिस पर भविष्य की पीढ़ियां गर्व कर सकें। जब संकल्प मजबूत होता है और सामूहिक प्रयास किए जाते हैं, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। अब हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह मास्टर प्लान इंदौर को केवल एक विकसित शहर ही नहीं, बल्कि एक आदर्श शहर बनाने में सहायक सिद्ध हो। यह अवसर एक नई कहानी लिखने का है–एक ऐसी कहानी, जो विकास, पारदर्शिता और जन-भागीदारी की मिसाल बने। उपरोक्त लेख में जिन विशेषज्ञों के विचारों और अनुभवों का समावेश किया गया है, उनका योगदान अमूल्य है। विशेष रूप से ER. अजीत सिंह नारंग, ER. एस एस कुटुम्बले, ER. महेश राज वैद्य, गौतम कोठारी, अशोक कोठारी, अशोक बड़जात्या, संतोष वाधवानी और अन्य सभी सदस्यों ने अपने मूल्यवान सुझाव और मार्गदर्शन प्रदान किए हैं। इनके विचारों ने मास्टर प्लान को और अधिक समग्र, प्रभावी और व्यावहारिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस प्रयास में जुड़े सभी विशेषज्ञों और सदस्यों को धन्यवाद देना नितांत आवश्यक है, जिन्होंने अपने ज्ञान और अनुभव से इस महत्त्वपूर्ण योजना को साकार रूप देने में अपना योगदान दिया है।

न्यूज ब्रीफ

नन्हे कदम बड़े सपने- यूकेजी के बच्चों की ग्रेजुएशन सेरेमनी संपन्न

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। लायंस कान्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल में आज का दिन बेहद खास और यादगार रहा जब यूकेजी के नन्हें विद्यार्थियों ने अपनी पहली शैक्षणिक सफलता का जश्न मनाया। ग्रेजुएशन सेरेमनी का यह भावुक और उल्लास पूर्ण अवसर लायंस कान्वेंट स्कूल के कम्युनिटी हॉल में पूरे जोश और उमंग के साथ मनाया गया। सेरेमनी की शुरूआत इन नन्हें बच्चों के अभिभावकों की गरिमामयी उपस्थिति में लायंस क्लब अध्यक्ष डॉ. अतुल पटेल, सचिव निलेश मंगल एवं कोषाध्यक्ष सौरभ अग्रवाल के द्वारा माता सरस्वती की प्रतीमा की पूजा माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके बाद जब इन नन्हें बच्चों ने स्नातक कैप और गाउन पहनकर मंच पर कदम रखा तो सभागार में उपस्थित सभी अभिभावकों, शिक्षिकाओं ने पुष्प वर्षा और करतल ध्वनि के साथ उनका स्वागत किया। जब ये बच्चे हॉल में आए तो हॉल में एक उत्सव जैसा माहौल बन गया। इसके बाद इन बच्चों को उनके अभिभावकों की उपस्थिति में ग्रेजुएशन प्रमाण पत्र के साथ मोमेंटो दिए गए। इस अवसर पर उनके जूनियर साथियों ने बहुत ही आकर्षक और सुंदर नृत्य गीतों की भावाभिव्यक्ति के द्वारा सबका मन मोह लिया। इस अवसर पर विद्यालय से विदा होकर जा रहे वेदश्री पटवा, लक्षिता चौहान, भूमिका पालीवाल, शिवाय कानूनगो, विधि पालीवाल, कौस्तुभ पवाँर, अक्षित पटेल, मानविक यादव, शौर्य कुमरावत, आव्यान मालविया, दर्शन जोशी, हसन अंसारी, अथर्व शिंदे, देवांश सैते, आकांश सिंगनाथ आदि ने विद्यालय में अपने साथियों के साथ बिताए गए अविस्मरणीय पलों को याद कर अपनी शिक्षिकाओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

गणगौर का बाना निकाला

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। गंगौर का बाना निकाला गणगौर के पावन पर्व पर सुंदर नगर, अंबिका नगर, आनंद नगर, से गणगौर का बड़ा बाना निकला गया जो राम कटोरा से, श्याम बाजार, राम मंदिर, गणेश मंदिर होता हुआ राजराजेश्वर मंदिर पर गया जिसमें किरण शर्मा, ज्योति गर्ग, पूनम व्यास अनीता गर्ग सर्वेश्वर, मोनिका जोशी, आरती मंगल, रुचि गर्ग, राधा शर्मा, विनीता शर्मा, सुरेखा मंगल, रूपाली मंगल, निर्मला वर्मा, संध्या तिवारी, दीपिका कुमरावत करुणा गर्ग तृप्ति मित्तल संगीता यादव, रितु शर्म, किरण खंडेलवाल कीर्ति शर्मा आदि शामिल हुए। गौरा गुंजन वाडीले और ईशर अवंतिका शर्मा बनी इस प्रकार ईश्वर गंगौर माता का पूजन कर राज राजेश्वर मंदिर में सभी महिलाओं में झालरिये लिये और ठंडाई ग्रहण कर सभी अपने अपने घर को प्रस्थान हुई ऊषा शोभा भी उपस्थित रहीं इस बीच योगिता गर्ग की तरफ से ठंडाई पीला कर स्वागत किया गया।

महिला मंडल के द्वारा पटेल कॉलोनी से गणगौर माता का बाना निकाला गया

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। द्वारकेश्वर महिला मंडल के द्वारा पटेल कॉलोनी से गणगौर माता का बाना निकाला गया। जो एबी रोड होते हुए शगुन गार्डन पहुंचा। शगुन गार्डन में पहुंचकर सभी महिलाओं ने पाती खेली। माता के झाले गए। एवं सभी सदस्यों ने नृत्य किया। उसके बाद सभी सदस्यों ने माता को भोग अर्पित कर स्वयं भी ग्रहण किया। द्वारकेश्वर महिला मंडल की दीपा शर्मा, कीर्ति रघुवंशी एवं सभी महिलाएं उपस्थित थी।

अमावस्या पर गायों को खल खिलाया

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। शनि अमावस्या पर महिला मंडल राम कटोरा की महिलाओं में गौशाला में गायों को खल भूसा खिलाया निर्मला वर्मा, शोभा शर्मा ऊषा, राजू जीजी वाघमरे भाभी, सुषमा, वाघमरे भाभी बड़ी, आशा जोशी, पिस्ता जोशी आदि उपस्थित रहीं साथ ही बगलामुखी माता के दर्शन कर शनि समस्या पर पुन्य लाभ लिया।

शिवराज बोले- हर गांव को गरीबी मुक्त बनाना है, 78.7 करोड़ के विकास कार्य की दी सौगात

सीहोर ■

केंद्र सरकार का लक्ष्य अब देश के गांवों को गरीबी से मुक्त बनाना है। हमारा यह संकल्प है कि गांव के प्रत्येक व्यक्ति को विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं से जोड़कर उसे रोजगार दिया जाए, जिससे वह अपने परिवार को आसानी से चला सके। इसके लिए सरकार ने कई योजनाएं संचालित की हैं। यह बातें केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भैरूंदा में आयोजित प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के हितग्राही सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहीं।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सीहोर जिले के भैरूंदा में

आयोजित हितग्राही सम्मेलन में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के 6,514 हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए। उन्होंने भैरूंदा में 78 करोड़ 7 लाख 47 हजार के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि पूजन भी किया। इस अवसर पर उन्होंने कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले टॉपर्स को स्कूटी भी प्रदान की। इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। शिवराज ने कहा कि सरकार का यह प्रयास है कि देश का प्रत्येक गरीब, जो पीएम आवास योजना से वंचित है, उसका खुद का पक्का मकान हो। सरकार ऐसे परिवारों के सपनों को साकार करना चाहती है। चौहान ने कहा कि मंत्री बनने के बाद उन्होंने देश में कुल 33,163 मकान गरीबों के लिए दिए हैं, जिसमें से 10,173 मकान बुधनी विधानसभा के हैं। इसमें भी भैरूंदा के 7,203 और बुधनी के 2,870 मकान शामिल हैं। आज मैं खुश और संतुष्ट हूं, क्योंकि मेरी गरीब बहनों का एक सपना साकार हो रहा है और इस संकल्प को पूरा करते हुए मुझे खुशी हो रही है।

शौचालय के लिए अलग से दिए जाएंगे रुपये

केंद्रीय मंत्री चौहान ने 6,514 हितग्राहियों को आवास योजना के स्वीकृति पत्र वितरित करते हुए कहा कि इसके बाद सीधे उनके खाते में 1,20,000 रुपए की राशि का हस्तांतरण तीन किश्तों के माध्यम से होगा। सरकार ने यह भी निर्णय लिया है कि 12,000 रुपए की राशि शौचालय के लिए अलग से दी जाएगी। साथ ही मकान की मजदूरी का भुगतान भी मनरेगा योजना के तहत होगा। उन्होंने कहा कि पीएम ग्रामीण आवास योजना में जिन पात्र हितग्राहियों के नाम छूट गए हैं, वे सर्वे के दौरान अपना नाम जुड़वा सकते हैं, जिससे उन्हें भी योजना का लाभ मिल सके। सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है और 31 मार्च तक यह जारी रहेगा।

रोड शो में जोरदार स्वागत

केंद्रीय मंत्री निर्धारित समय से डेढ़ घंटे देरी से भैरूंदा पहुंचे। उनके स्वागत के लिए दुर्गा चौक से लेकर कार्यक्रम स्थल तक 25 से अधिक मंच तैयार किए गए थे। चौहान खुली जीप में बैठकर कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जनता का अभिवादन किया और नागरिकों द्वारा पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया।

नववर्ष पर कवि सम्मेलन का आयोजन, सीएम बोले- भोपाल में सम्राट विक्रमादित्य और राजा भोज द्वार बनेंगे

भोपाल ■

राजधानी भोपाल में हिंदू नववर्ष के उपलक्ष्य में कर्मश्री संस्था ने अखिल भारतीय कवि सम्मलेन का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राजधानी भोपाल का महत्व ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बाद बढ़ गया है। राज्य सरकार विरासत से विकास को प्रमुख मानती है। इस नाते भोपाल के गौरवशाली इतिहास का स्मरण आवश्यक है।

विक्रम संवत 2082 प्रारंभ होने पर समस्त नागरिकों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य ने न्याय, वीरता और सुशासन के आयाम स्थापित किए। ऐसा ही उनके शासनकाल के 1000 वर्ष पश्चात राजा भोज ने भी सुशासन और जल प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में उदाहरण प्रस्तुत किया सम्राट विक्रमादित्य और राजा भोज के नाम पर राजधानी में दो द्वार बनाए जाएंगे। भोपाल से इंदौर की ओर जाने वाले मार्ग पर सम्राट विक्रमादित्य मार्ग और भोपाल से भोजपुर की दिशा में राजा भोज द्वार का निर्माण होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कवि सम्मेलन में देशभर से पधारे कवियों का स्वागत किया। उन्होंने इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख संत गण का भी मंच पर सम्मान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्राट विक्रमादित्य द्वारा सनातन संस्कृति के संरक्षण के लिए किए गए प्रयासों का विशेष रूप से उल्लेख किया। साथ ही विक्रम संवत प्रणाली और भारतीय काल गणना पद्धति की भी जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विशेष स्वागत किया गया। उनका विशाल पुष्प हार से स्वागत किया गया। कार्यक्रम को विधायक रामेश्वर शर्मा ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में तेजी से प्रगति हो रही है। कार्यक्रम में सांसद विष्णु दत्त शर्मा, हितानंद शर्मा, पूर्व सांसद आलोक संजर, सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, रविंद्र यति, सुमित पचोरी एवं अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। कवि सम्मेलन के मंच पर भारत के वीर शासकों और स्वतंत्रता सेनानियों श्री महाराणा प्रताप, राणा सांगा, गुरु गोबिंद सिंह, संभाजी महाराज, लोकमाता अहिल्या देवी और भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के चित्रों के साथ ही अयोध्या के राम मंदिर और काशी विश्वनाथ के मंदिर के चित्रों के साथ आकर्षक आकल्पन किया गया था।

सीएम ने वृहद मराठी समाज के साथ मनाई गुड़ी पड़वा

भोपाल ■

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के वृहद मराठी समाज के साथ सीएम निवास पर गुड़ी पड़वा का पर्व मनाया और नव संवत्सर के आगमन पर सभी को सुख-समृद्धि की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में पर्व और त्योहार मंगल तिथियों के आधार पर होते हैं और गुड़ी पड़वा वर्ष की पहली मंगल तिथि है। इस तिथि का विभिन्न नामों से अभिवादन किया जाता है, जैसे चेटीचंड, वर्ष प्रतिपदा, और गुड़ी पड़वा, जो सनातन संस्कृति की अनुपम परंपरा को दशार्ता है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि नव संवत्सर सभी के जीवन में समृद्धि, सुख और आनंद लेकर आए। उन्होंने ईश्वर से यह कामना की कि यह वर्ष सभी के लिए खुशियां लेकर आए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री को मराठी समाज के लोगों ने तिलक कर स्वागत किया और अंगवस्त्र एवं श्रीफल भेंट किए। इसके अलावा, मराठी साहित्य अकादमी और विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा मुख्यमंत्री को परंपरागत गुड़ी भेंट की गई। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में संस्कृत के उत्कर्ष को भी सराहा और कहा कि सभी त्योहारों और पर्वों को समाज और सरकार मिलकर आनंद और उल्लास के साथ मनाएंगे।

यूरेशियन वल्चर को रायसेन वन मंडल के सरार बीट में छोड़ा गया

भोपाल ■

वन मंडल रायसेन अंतर्गत शनिवार को एक यूरेशियन वल्चर (गिद्ध की प्रजाति) को हलाली बांध के पास सफलतापूर्वक मुक्त किया गया। इस वल्चर को सतना वन मंडल से रेस्क्यू कर मुकुंदपुर रेस्क्यू सेंटर और वन विहार में उपचार के लिए लाया गया था। स्वस्थ होने पर उसे रिलीज किया गया।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक राजेश खरे ने बताया कि रायसेन वन मंडल के सरार बीट में गिद्धों के लिए अनुकूल परिस्थिति, वातावरण और उनकी संख्या को ध्यान में रखते हुए इस स्थान पर वल्चर को छोड़ा गया। उन्होंने बताया कि इसी स्थल पर वल्चर रेस्टोरेंट का निर्माण करने की तैयारी शासन स्तर पर चल रही है। आगामी दिनों में भोपाल स्थित वल्चर ब्रीडिंग सेंटर के 6 वल्चर को भी इसी

स्थान पर छोड़ा जाएगा। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख असीम श्रीवास्तव ने कहा कि डायक्लोफेनेक, निमेसुलाइड, कीटोप्रोफेन और एसेक्लोफेनेक दवाइयां जो पशुओं के इलाज के लिए दी जाती थीं, इन दवाइयों को पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया गया है और इनका उपयोग गैर कानूनी भी है। उन्होंने कहा कि गिद्धों की संख्या में जो भारी गिरावट आई, वह इन्हीं दवाओं के कारण थी। मुख्य वन्य-प्राणी अभिरक्षक शुभरंजन सेन ने बताया कि कर्मचारियों को दवाइयों का एक सैम्पल भी प्रदाय किया है।

परिषद की बैठक में एक अरब का बजट पारित कर 9 विषय पर चर्चा, एक राष्ट्र एक चुनाव के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। नगर पालिका परिषद की बैठक में एक अरब का बजट पारित कर 9 विषय पर चर्चा होकर एक राष्ट्र एक चुनाव के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान कर डॉ अब्दुल कलाम के नाम पर चौराहा व मद्रास चौराहे का नाम गुरुद्वारा चौराहा रखने के साथ बच्चे के मुक्तिधाम का विस्तार करने संबंधित विषय पर चर्चा कर इसकी स्वीकृति प्रदान की गई।

नपा परिषद की बैठक दोपहर 2 बजे नपा सभागृह में सम्पन्न हुई जिसमें परिषद के सभी 9 विषय पर चर्चा होकर सभी प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। परिषद की बैठक में 103 करोड़ के बजट को भी पारित किया गया। इसके अतिरिक्त अध्यक्ष बसंती बाई यादव की सहमति से 6 अन्य विषय पर भी चर्चा की गई जिसमें मुक्तिधाम के सामने बच्चों के मुक्तिधाम का विस्तार करने की

स्वीकृति प्रदान की गई दशहरा मैदान पर वाकिंग ट्रैक बनाने, के साथ देश में एक समय पर एक ही चुनाव कराने के प्रस्ताव को मंजूरी देकर राष्ट्रपति को भेजा जाएगा। एक राष्ट्र एक चुनाव से जहां समय की बचत होगी वहीं चुनाव खर्च भी बचेगा जिससे जनता पर आर्थिक बोझ भी कम पड़ेगा। इसके साथ डॉ अब्दुल कलाम, भगतसिंह के नाम पर चौराहे करने पर भी विचार कर जगह का चयन कर इसका नामांकन किया जाएगा। इसके साथ ग्रीष्म ऋतु में जलसंकट से निपटने हेतु लगने वाले सभी सामग्री को क्रय करने व पानी का अपव्यय करने वाले के खिलाफ शक्ति से काम लेने का निर्णय लिया गया। भवानी चौराहे को जीणोद्धार कर घोड़े वाली शिवाजी की प्रतिमा लगाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। मद्रास टायर दुकान के चौराहे का नाम गुरुद्वारा चौराहा किया गया। इस दौरान नपा अध्यक्ष बसंती बाई यादव उपाध्यक्ष मोहन जोशी पार्षद व सांसद प्रतिनिधि अरुण चौधरी, विधायक प्रतिनिधि प्रिंस शर्मा सीएमओ मधु चौधरी, लेखापाल दयानंद पाटीदार उपयंत्री सचिन अलुने विशाल जोशी, अमित जाधव मौजूद थे।

सेंधवा नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष बसंती बाई यादव ने वर्ष 2025 - 26 का बजट परिषद की बैठक में पहली बार नगर पालिका द्वारा 103 करोड़ का बजट पारित कर बचत का बजट पारित किया गया। बजट में 103 करोड़ के बजट में जिसमें अनुदान, अंशदान 58,70 लाख एवं ऋण अमानत 8 करोड़ 11 का प्रावधान रखा गया है इसको कम करने के पश्चात नपा को विभिन्न स्त्रोत से आय 36 करोड़ 47 लाख प्रस्तावित है एवं 5 प्रतिशत संचित निधि 1 करोड़ 82 लाख प्रस्तावित है जिसमें बचत 29095 का रखा गया हैं।

मुआवजा तथा पुनर्वास को तरसते कोशी के बाढ़ पीड़ित

सितंबर 2024 के आखिरी दिनों में नेपाल और बिहार के कई इलाकों में भारी बारिश के बाद कोसी क्षेत्र में दशकों बाद आई विनाशकारी बाढ़ के लोंगों की ज़िन्दगी को तहस नहस कर डाला इस बार तटबंध और बैराज बनने के बाद पहली बार ऐसा हुआ कि कोशी नदी का पानी बैराज से ऊपर निकलने लगा, सुपौल जिले में पूर्वी तटबंध की सुरक्षा के लिए बने अनेक स्पर क्षत-विक्षत हो गए तो सहरसा, दरभंगा जिले में अनेक जगह तटबंध के ऊपर से पानी बह चला. अंत में दरभंगा जिले कीरतपुर प्रखंड के भूभौल में तटबंध टूट गया।जिसके बाद सामने वाला गांव भूभौल पूरी तरह बर्बाद हो गया। इस भीषण बाढ़ में तटबंध के बीच के लोग भूखे -प्यासे भयावह स्थिति में रहकर जान बचाए।

कुमार कृष्णान
(लेखक)
ग्लोबल हेराल्ड

बाढ़ के बाद सरकार, राहत क्षतिपूर्ति के लिए बने अपने ही मानक संचालन प्रक्रिया और मानदर का अनुपालन करने में नाकाम रही है। जिनके घर बाढ़ या नदी के कटाव में विलीन हो गए या जानवर बह गए उसकी क्षतिपूर्ति अबतक नहीं मिली है। हर साल तटबंध के भीतर रह रहे पुनर्वास से वंचित लोगों को इस तरह की आपदा भोगने पर विवश हैं। उनके पुनर्वास की बात नहीं होती है। कोशी नवनिर्माण मंच द्वारा अनेक बार उनकी मांगे उठाई गई, मांगपत्र भी दिया गया है, सुपौल में धरना भी आयोजित हुआ है पर कोई प्रगति नहीं दिख रही है। सरकार, प्रशासन और नागरिक समाज इन पीड़ितों को भूलता जा रहा है। इन समस्याओं की तरफ नागरिक समाज और सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने गांधी संग्रहालय, पटना में एक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कोशी नवनिर्माण मंच द्वारा कोशी पीड़ितों की गृहक्षति सहित अन्य क्षतिपूर्ति दिलाने, कोशी तटबंध के भीतर के लोगों के पुनर्वास के सवाल पर पटना के गांधी संग्रहालय में यह जन सुनवाई आयोजित की गयी। जनसुनवाई में सुपौल जिले के किशनपुर प्रखंड की बेला की रेखा देवी भूखे प्यासे बाढ़ में बिताए दिनों को याद करते हुए कहा कि बच्चों को छप्पर पर किसी तरह बैठाकर जान बचाए। उसपर भी सांप आ गया तो किसी तरह हटा कर छोटी नाव पर जान बचाए। हमलोगों को पुनर्वास नहीं मिला है सरकार पुनर्वास दे। वो अपने गांव में सांप काटने के बाद छोटी नाव में बैठाकर नदी पार करते समय बच्चे की हुई मौत की दर्दनाक कहानी बताई। सुपौल अंचल के बलवा गांव के डुमरिया गांव की प्रमिला देवी ने कहा कि मेरा घर नदी में समा गया आज तक गृह क्षति भी नहीं मिली है दूसरे आदमी ने अपने घर में शरण दिया पर उनका घर भी छोटा था तो अंत में वहां से बांध पर आकर पल्ली डालकर रह रहे है। धूल और धूप से बच्चे बीमार हो है। बाढ़ के समय ससुर बीमार थे दवा का उचित प्रबंध नहीं होने से उनकी

मौत हो गई। सासू अंधी हो गई है तीन बच्चे है इन सभी के इलाज में एक लाख का कर्ज हो गया इधर उधर मजदूरी करके घर चला रहे है जब किसी को अपना घर बुहारते देखते है तो मन में टीस उठती है कि मेरा घर भी होता तो मै भी बुहारती। मेरे जिंदगी की एक ही तमन्ना है कि पुनर्वास मिले जहां मेरा अपना झोपडी भी बना लूं। मजदूरी करके अपना गुजर कर लेंगे। संतोष मुखिया और आलोक राय ने नाव की अनुपलब्धता बाढ़ में हुई पीड़ा और पुनर्वास में दबंगों के अवैध कब्जे की बात कहते हुए कहा कि इसके अभाव में हमलोगों के गांव आज यहां है दूसरे साल कहीं और जाकर बसना पड़ता है। चन्द्रबीर नारायण यादव ने दरभंगा जिले के भूभौल के पीड़ितों को टूटे घरों को क्षति नहीं मिलने सहित अन्य वहां के नदी के सवाल को उठाया। कोशी महा सेतु के प्रभाव पर एडवोकेट अजीत मिश्रा ने बात रखी। दयारानी देवी ने बाढ़ में कहा कि मेरे घर का बच्चा जब चौकी पर पानी आ गया तो छप्पर पर रखा उसके कुछ लाने गई तबतक बच्चा गिरकर पानी में बहने लगा। यह देखकर चिल्लाई और पानी में भागकर बचाई दो घंटे बाद उसका होस आया कुछ नहीं मिला है यदि पुनर्वास मिल जाता तो यह भोगना नहीं पड़ता। राजेन्द्र यादव ने नाव डूबने की खबर आने के बाद पानी में घर वाले जीवित है कि नहीं यह जानकारी नहीं मिलने पर ही पीड़ा का वर्णन करते हुए फफक उठे और बोले कि दो दिन बाद उनके जीवित होने की जानकारी दी। फूल कुमारी, अरणी देवी, बादामी देवी, प्रियंका, रेखना देवी, प्रदीप राम, सदरुल, अरविंद मेहता, बिजेंद्र सदा, शिव शंकर मंडल, चंद्र मोहन, भागवत पंडित इत्यादि ने अपने दुःख भरी दास्तान सुनाई। जनसुनवाई में पटना विश्वविद्यालय की भूगोल प्रो देबरानी, सामाजिक कार्यकर्ता कुणाल किशोर, इंदिरा रमण उपाध्याय, डॉ रिंकी, किरणदेव, जवाहर निराला, गांधीवादी रमन, अमर, सदानंद, इत्यादि ने पीड़ित लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त किया। बाढ़ पीड़ितों की स्थिति के अध्ययन की जानकारी शोधार्थी आरिफ ने रखी। जनसुनवाई को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए पटना उच्च न्यायालय के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश जस्टिस अरुण कुमार ने कहा कोशी पीड़ितों की बातों से स्पष्ट हो रहा है कि इनके लिए आपदा और कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में गैप है जिसे दूर करना चाहिए। वहीं बिहार राज्य आपदा प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष और अवकाश प्राप्त वरिष्ठ आईएएस पदाधिकारी व्यास जी ने कहा कि लोगों की बातें सुनने से दो बातें समझ में आई है पहली तात्कालिक आपदा विभाग के बाढ़ पर बने मानक संचालन प्रक्रिया व मानदर को कोशी पीड़ितों को दिया जाए। दूसरा दीर्घकालिक मांग है जिसमें पुनर्वास देना और कोशी पीड़ित विकास प्राधिकार को सक्रिय करना है। उन्होंने आयोजकों को सलाह दिया योजनाओं के आपदा की तैयारियों व क्रियान्वयन में जन भागीदारी कर धरातल पर उतारने में मदद करें। प्रो पुष्पेंद्र ने कहा कि यह बहुत दुखद बात है कि कोशी के पीड़ितों को आज पटना में आकर अपनी विपदा की कहानी कहनी पड़ रही है। राहत पुनर्वास को सरकार को जल्द पूरा करना चाहिए। वहीं लोगों को सरकार नहीं सुनती है तो संगठन को मजबूत कर राजनैतिक मुद्दा के रूप में स्थापित करना होगा। प्रो मधुबाला ने कहा कि राज्य के आपदा विभाग और प्राधिकरण मुख्यमंत्री जी के नारे पर चलती है कि सरकारी खजाने पर आपदा पीड़ितों का पहला अधिकार है पर आज कोशी पीड़ित लोगों की बातों को सुनने से लगता है कथनी और कहनी में अंतर है उसे अविलंब क्रियान्वयन करना चाहिए। आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव और जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव को भी आमंत्रित किया गया था पर वे उनकी तरफ से कोई प्रतिनिधि भी नहीं आया। जन सुनवाई का संचालन जिसका संचालन महेन्द्र यादव और इंद्र नारायण ने किया।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

मुस्लिम वोट पटाओ अभियान : दोनों मुख्य राष्ट्रीय दलों का एक ही लक्ष्य!

यद्यपि फिलहाल देश में निकट भविष्य में कोई चुनाव नही है, उत्तरप्रदेश सहित कुछ राज्यों में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होंगे, किंतु देश में वोट पटाओं अभियान की शुरूआत अभी से कर दी गई है, वह भी किसी राज्यस्तरीय या अदने राष्ट्रीय नेता द्वारा नहीं, बल्कि स्वयं प्रधानमंत्री जी द्वारा। यद्यपि हमारे संविधान में राजनीति को धर्म से अलग रखने की बात जरूर कही गई है। किंतु मोदी जी ने अपने इस अभियान के चलाने के लिए धार्मिक पर्व ही चुना और वह भी मुस्लिम समाज की मीठी ईद को।

ओमप्रकाश मेहता
लेखक

उन्होंने अपनी विशेष ईदी की थैलियां तैयार करवाकर देश के बत्तीस लाख मुस्लिम परिवारों तक भिजवाने की व्यवस्था की है। इस थैली में मिठाई व अन्य खाद्य पदार्थो के साथ महिलाओं व पुरूषों के वस्त्र भी है, इसे सौगात-ए-मोदी नाम दिया गया है। आगामी तीस मार्च को मुस्लिमों की मीठी ईद है और तब तक बत्तीस हजार भाजपा कार्यकताओं द्वारा बत्तीस हजार मस्जिदों के साथ मुस्लिम भाईयों तक ये सौगात-ए-मोदी सही हाथों तक पहुंचाई जाएगी। यह तो हुई देश पर राज कर रही भाजपा के प्रयासों की बात अब यदि दूसरे राष्ट्रीय दल कांग्रेस की बात करें तो उसने आरक्षण का लालीपॉप थामकर मुस्लिम मतदाताओं को लुभाने की शुरूआत कर्नाटक से की है। कर्नाटक के उप-मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता डी.के. शिवकुमार ने इस हेतु संविधान बदलने तक का संदेश दे दिया, डी.के. के इस बयान से कांग्रेस सड़क से संसद तक घिरती नजर आ रही है। अर्थात अब तक कांग्रेस द्वारा जो संविधान बदलने के आरोप भाजपा पर लगाए जाते रहे है, उसी हथियार का उपयोग अब स्वयं कांग्रेस अपने राजनीतिक हित के लिए कर रही है। कांग्रेस ने तो यहां तक कह दिया कि यदि वह देश में भी सत्ता पर आ जाती है तो पूरे देश में संविधान बदलकर मुस्लिमों के आरक्षण का सिद्धांत लागू कर देगी। अब दोनों राष्ट्रीय दलों के इन मंतव्यों पर गौर किया जाए तो ध्वनि यही निकलकर आती है कि अब दोनों ही प्रमुख राष्ट्रीय राजनीतिक दलों ने राजनीति को धर्म से जोड़कर अपना राजनीतिक उद्देश्य पूरा करने का संकल्प ले लिया है, जो मोदी जी व कर्नाटक के सत्तारूढ़ नेताओं के मंतव्यों से उजागर हो रहा है। आज के इस राजनीतिक माहौल और शीर्ष राजनेताओं के मुखारबिंद से निकल रहे शब्दों से देश का आम जागरूक नागरिक इसीलिए चिंतित है कि हमारे संविधान में जिन मुद्दों को राजनीति से पृथक रखा गया है, अब वे ही मुद्दें राजनीति के अंग बनाए जाने के प्रयास हो रहे है, ऐसे में हमारे संविधान की क्या अहमियत रह जाती है। वैसे भी आज हमारे संविधान की उपेक्षा सबसे बड़ी चिंता का विषय बनी हुई है। आज के पक्ष तथा विपक्ष दोनों ही प्रमुख राजनीतिक दलों व उसके नेताओं ने संविधान को हमारे धार्मिक ग्रंथ भागवतगीता व रामायण की तरह लाल बस्तें में लपेटकर रख दिया है और अपना खुद का संविधान तैयार कर लिया है, जो इनकी स्वार्थी सरकार का मुख्य आधार है और अब यदि हमारी राजनीति भी धर्म आधारित हो जाएगी तो फिर सत्ता की कुर्सी पर धर्म नजर आएगा या संविधान? आज का यही सबसे अहम सवाल जिसका उत्तर हर जागरूक नागरिक ढूंढ रहा है। इसी बीच सौगात-ए-मोदी आजाने से आम चिंतन और गंभीर हो गया है।

भारत में गर्मी का जल्दी आना और लू का बढ़ना

डॉ. सत्यवान सौरभ | लेखक

इट्रो- बढ़ते तापमान से कृषि, जल संकट, सार्वजनिक स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। फरवरी में असामान्य रूप से अधिक गर्मी, रात के तापमान में वृद्धि, समुद्री तापमान का असर और शहरी हीट आइलैंड प्रभाव इस समस्या को और गंभीर बना रहे हैं। इसका असर शिक्षा, श्रम उत्पादकता और खाद्य सुरक्षा पर भी पड़ रहा है। भारत में लू की घटनाएँ जलवायु परिवर्तन के कारण तेजी से बढ़ रही हैं। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, मैदानी इलाकों में जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाता है और यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो इसे लू के रूप में परिभाषित किया जाता है। 2024 में भारत ने 554 लू के दिन अनुभव किए, जबकि 2023 में यह संख्या 230 थी। यह वृद्धि कृषि, जल उपलब्धता और सार्वजनिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है, जिससे तत्काल शमन उपायों की आवश्यकता है। फरवरी, जो आमतौर पर सर्दियों का महीना होता है, अब अत्यधिक गर्मी का अनुभव कर रहा है। ओडिशा, तेलंगाना और महाराष्ट्र में फरवरी 2025 में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया, जो जलवायु परिवर्तन की ओर इशारा करता है।

उदाहरणः फरवरी 2025 में मुंबई ने 38.7 डिग्री सेल्सियस का तापमान दर्ज किया, जो पांच वर्षों में सबसे गर्म फरवरी का दिन था। इसने दैनिक जीवन को बाधित किया और गर्मी से संबंधित बीमारियों में वृद्धि की। वैश्विक तापमान में वृद्धि के कारण शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार और तीव्र हीटवेव देखी जा रही हैं, जिससे जनसंख्या पर भारी दबाव पड़ रहा है। रात के तापमान में भी अप्रत्याशित वृद्धि हो रही है। 31 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में सामान्य से 1त्उ अधिक रात का तापमान दर्ज किया गया, जबकि 22 राज्यों में 3त्उ-5त्उ की वृद्धि देखी गई। दिल्ली में 2024 में 74 वर्षों की सबसे गर्म फरवरी की रात दर्ज की गई, जिससे कमजोर वर्ग के लिए रिकवरी का समय कम हो गया। समुद्री हीटवेव अंतदेर्शीय तापमान को बढ़ाती हैं और मानसून के पैटर्न को प्रभावित करती हैं। 2023 में बंगाल की खाड़ी में समुद्री हीटवेव के कारण पूर्वी भारत में मानसून में देरी हुई और प्री-मानसून गर्मी बढ़ी। कंक्रीट संरचनाएँ, कम हरियाली और प्रदूषकों की उपस्थिति से शहरी क्षेत्रों में गर्मी अधिक रहती है। अप्रैल 2023 में अहमदाबाद के शहरी क्षेत्रों में तापमान आसपास के ग्रामीण इलाकों से 3-4 डिग्री सेल्सियस अधिक था।

राज्यों के बीच समन्वय सुनिश्चित करते हुए राष्ट्रीय अनुकूलन योजना में हीटवेव शमन को शामिल करना आवश्यक है। अहमदाबाद की हीट एक्शन प्लान (2013) हर साल 1190 मौतों को रोकने में मदद करता है। शहरी नियोजन में हरित इमारतों, निष्क्रिय शीतलन और गर्मी प्रतिरोधी सामग्रियों का उपयोग बढ़ाना चाहिए। तेलंगाना की कूल रूफ नीति (2021) ताप-परावर्तक छतों को बढ़ावा देती है, जिससे इनडोर तापमान कम होता है। वृक्षारोपण, छत पर बागवानी और जल निकायों के संरक्षण से तापमान कम किया जा सकता है। दिल्ली की शहरी वन पहल ने कई हॉटस्पॉट में स्थानीय तापमान को 2-3 डिग्री सेल्सियस तक कम किया। स्थानीय मौसम निगरानी, हीटवेव पूवार्नुमान और शहरी हीट आइलैंड मानचित्रण का विस्तार किया जाना चाहिए। कमजोर श्रमिकों के लिए हीट इंश्योरेंस, समायोजित कार्य घंटे और शीतलन आश्रय सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। राजस्थान के हीट इंश्योरेंस पायलट (2023) ने अत्यधिक गर्मी वाले दिनों में दैनिक वेतनभोगी श्रमिकों को वित्तीय मुआवजा प्रदान किया। अत्यधिक गर्मी के कारण स्कूलों में गर्मी की छुट्टियाँ लंबी हो सकती हैं, जिससे पाठ्यक्रम पूरा करना मुश्किल हो जाता है। कई स्कूलों में पर्याप्त शीतलन व्यवस्था नहीं होती, जिससे छात्रों का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। परीक्षा के समय लू पड़ने से छात्रों का प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। अत्यधिक गर्मी के कारण श्रमिकों की उत्पादकता में कमी आती है, खासकर निर्माण, खेती और अन्य बाहरी कामों में। बिजली की खपत बढ़ने से ऊर्जा संकट उत्पन्न हो सकता है, जिससे बिजली कटौती बढ़ती है। हीटवेव के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ बढ़ती हैं, जिससे अस्पतालों पर दबाव बढ़ता है और स्वास्थ्य सेवा का खर्च बढ़ जाता है। झीलों, तालाबों और नदियों का जल स्तर तेजी से गिरता है, जिससे पेयजल की समस्या गहराती है। भूजल स्तर में गिरावट होती है, जिससे सिंचाई और पेयजल की आपूर्ति प्रभावित होती है। जंगलों में आग लगने की घटनाएँ बढ़ती हैं, जिससे जैव विविधता को नुकसान होता है। गर्मी के कारण कई पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं का पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित होता है। गेहूं, धान और अन्य प्रमुख फसलों की पैदावार में गिरावट आती है, जिससे खाद्य सुरक्षा प्रभावित होती है। अत्यधिक गर्मी और जल संकट के कारण पशुपालन भी प्रभावित होता है। अधिक गर्मी सहने वाली और कम पानी में पनपने वाली फसलों का विकास और उपयोग किया जाए। किसानों को माइक्रो-इरिगेशन तकनीक (टपक सिंचाई) अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। हरी छतें, जलाशयों और खुले हरे क्षेत्रों को बढ़ावा देना। सार्वजनिक स्थलों पर पेड़ों की छाया और वाटर स्प्रे सिस्टम लगाना। स्मार्ट शहरों में तापमान अनुकूलन तकनीकों को अपनाना। हीट-रेसिस्टेंट निर्माण सामग्री और ऊर्जा-कुशल डिजाइन को बढ़ावा देना। समुद्र के तापमान को नियंत्रित करने के लिए वैश्विक और क्षेत्रीय प्रयासों को मजबूत करना। तटीय इलाकों में मैंग्रोव वनों को पुनर्जीवित करना, जो प्राकृतिक रूप से तापमान को संतुलित करने में सहायक होते हैं। यूरोप का हीट एक्शन प्लानः फ्रांस और स्पेन ने हीटवेव के दौरान कूलिंग सेंटर और सार्वजनिक अलर्ट सिस्टम लागू किए हैं। ऑस्ट्रेलिया का जल प्रबंधनः सूखा-प्रभावित क्षेत्रों में जल संचयन और संरक्षण के लिए प्रभावी नीतियाँ लागू की गई हैं। अमेरिका का ह्यग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चरह्ल प्रोग्रामः शहरी इलाकों में हरियाली और छायादार क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएँ चलाई जा रही हैं। भारत में बढ़ती गर्मी और लू के प्रभावों को कम करने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनाने की आवश्यकता है। इसके लिए सरकार, समाज और वैज्ञानिक समुदाय को मिलकर दीर्घकालिक समाधान विकसित करने होंगे। जलवायु अनुकूलन, स्मार्ट शहरी योजना, कृषि नवाचार और वैश्विक सहयोग से ही इस चुनौती से निपटा जा सकता है। गर्मी की लहरों के बढ़ते खतरे के कारण जलवायु-अनुकूलन योजनाओं को लागू करना आवश्यक हो गया है। प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, हीट एक्शन प्लान और लचीले बुनियादी ढांचे को मजबूत करना महत्वपूर्ण है। शहरी हरियाली, परावर्तक छतें और टिकाऊ जल प्रबंधन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। साथ ही, महात्मा गांधी नरेगा जैसी योजनाओं का विस्तार और शीतलन-केंद्रित शहरी नीतियों को लागू करना सार्वजनिक स्वास्थ्य, आजीविका और भविष्य की स्थिरता को सुनिश्चित करने में सहायक होगा।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

आस्था और परिवर्तन का संगम : नवसंवत्सर 2082

(शक्ति, समय और संकल्पः नवरात्रि से संवत्सर तक की आध्यात्मिक यात्रा)

जब सुबह की पहली किरण धरती को चूमती है, तो मानो स्वर्णिम आलिंगन में सृष्टि को बाँध लेती है। नव अंकुर मिट्टी को चीरकर जीवन की आहट सुनाते हैं, हवा में पत्तों की सरसराहट एक मधुर राग बनकर गूंजती है, और चारों ओर मंगल ध्वनियाँ एक पवित्र संगीत की तरह फैलने लगती हैं। यह वह क्षण है जब प्रकृति अपने पूरे वैभव के साथ नए समय का अभिनंदन करती है–एक ऐसी शुरूआत जो हृदय को आनंद और शक्ति से भर देती है। इस बार यह पल और भी अनुपम है, क्योंकि नवरात्रि की पावन घड़ी 'कालयुक्त' नामक नव संवत्सर के साथ एक मधुर स्वर-लहरी में गूंज उठी है। यह संयोग मन को रोमांच से भर देता है–शक्ति और समय का एक अलौकिक मिलन, एक ऐसा नृत्य जो सृष्टि को नए रंगों से सजाने को तैयार है। माता दुर्गा की भक्ति का उत्सव और समय का नया चक्र एक साथ शुरू हो रहे हैं, मानो प्रकृति और परमात्मा मिलकर हमें एक महान संदेश दे रहे हों।

हिंदू संस्कृति में संवत्सर कोई साधारण तिथि परिवर्तन नहीं, बल्कि समय की एक जीवंत कथा है। यह एक चक्र का समापन और दूसरे का प्रारंभ है, एक ऐसा कालखंड जो अपने नाम और स्वभाव से आने वाले दिनों की दिशा रचता है। इस बार का संवत्सर है 'कालयुक्त'–एक ऐसा नाम जो सुनते ही मन में गहरे अर्थों की लहरें उठाता है, जैसे कोई प्राचीन मंत्र जो शक्ति और रहस्य से ओतप्रोत हो। 'काल' वह शक्ति है जो समय को थामती है, परिवर्तन को जन्म देती है, और न्याय का पहिया घुमाती है। 'युक्त' वह बंधन है जो सबको एक सूत्र में पिरोता है। कालयुक्त संवत्सर यानी वह समय, जो परिवर्तन और न्याय का एक स्वर्णिम संगम बनकर हमारे सामने खड़ा है। यह वर्ष हमें पुकारता है–समय के साथ कदम मिलाओ, कर्म को अपना आधार बनाओ, वरना यह चक्र तुम्हें पीछे छोड़ देगा। इस संवत्सर का प्रभाव ऐसा है, मानो कोई जादुई रंग जीवन के कैनवास पर बिखर रहा हो। ज्योतिष की दृष्टि से यह वर्ष उथल-पुथल और शांति का एक अनोखा मिश्रण है। समाज में नई हलचल होगी–पुरानी व्यवस्थाएँ धराशायी होंगी, नई नींवें मजबूत होंगी। शासन के गलियारों में नए चेहरे और समीकरण उभरकर चमकेंगे, धन-व्यवस्था की नाव ऊँची लहरों पर नृत्य करेगी। प्रकृति भी इस नाटक में अपनी भूमिका निभाएगी–कहीं वर्षा की मधुर झंकार गूंजेगी, कहीं सूखे की सन्नाटी छाएगी, तो कहीं हवा का तेज शोर सुनाई देगा। लेकिन इन सबके बीच एक सुनहरा प्रकाश चमकेगा–आस्था का तेज। लोग धर्म की ओर लौटेंगे, संस्कृति को हृदय से लगाएँगे। कालयुक्त संवत्सर एक गूंजती पुकार है–समय को पहचानो, परिश्रम को पूजो, और परिवर्तन को गले लगाओ। जो ऐसा करेगा, उसके लिए यह वर्ष अनमोल उपहारों का भंडार लेकर आएगा। नवरात्रि का आगमन अपने आप में एक महोत्सव है–शक्ति का उन्माद, भक्ति का रंग, और साधना का प्रकाश। नौ रातें, जब हर घर माता दुर्गा की आराधना से मंदिर बन जाता है, और हर प्राण में एक नई ऊर्जा का संचार होता है। यह वह समय है जब हम अपनी भीतरी शक्ति को जगाते हैं, अपने भीतर के राक्षसों से युद्ध करते हैं।

प्रो. आर.के. जैन
लेखक

और जब यह पावन पर्व कालयुक्त संवत्सर के साथ शुरू होता है, तो यह क्षण और भी चमकदार हो उठता है। यह ऐसा है जैसे माता दुर्गा समय के स्वर्णिम रथ पर सवार होकर हमें आशीर्वाद देने उतरी हों। जैसे उन्होंने महिषासुर को परास्त किया, वैसे ही यह समय हमें अपने अज्ञान, आलस्य और अहंकार को कुचलने की शक्ति देता है। यह संयोग एक शंखनाद है–नया समय आ गया है, नई शुरूआत का क्षण है। यह संवत्सर और नवरात्रि का संगम हर स्तर पर बदलाव का वादा करता है। व्यक्तिगत जीवन में यह हमें अपने लक्ष्यों को नए सिरे से गढ़ने का अवसर देता है। समाज में यह जागृति की लहर लाएगा, और राष्ट्र के लिए यह प्रगति का एक नया अध्याय रचेगा। 30 मार्च 2025 को शुरू होने वाली यह यात्रा कोई साधारण तिथि नहीं, बल्कि एक नई सुबह का स्वर्णिम आलोक है। इस दिन शुरू होने वाला हर कार्य सफलता की सुगंध से महकेगा, बशर्ते हम इसे पूरे मन से अपनाएँ। यह समय हमें पुकारता है–अपने स्वप्नों को पंख दो, अपने संकल्प को अटल करो, और इस नए चक्र के साथ कदम मिलाओ। ज्योतिषी बताते हैं कि कालयुक्त संवत्सर में धर्म का झंडा ऊँचा लहराएगा। शासन नई नीतियाँ लाएगा, जो समाज को नई राह दिखाएगा। धन के क्षेत्र में उत्साह और चुनौतियाँ साथ-साथ दौड़ेंगी। प्रकृति का स्वभाव भी बदलता रहेगा–कभी कोमल वर्षा की झंकार, कभी उग्र तूफानों का शोर। लेकिन इस सबका मूल मंत्र एक ही है–समय। जो समय को समझेगा, संयम से चलेगा, और कर्म को गले लगाएगा, उसके लिए यह वर्ष एक चमकदार कृति बन जाएगा। यह संवत्सर हमें सिखाता है कि जीवन का हर पल अनमोल है, और इसे व्यर्थ गँवाना सबसे बड़ा अपराध। यह शुभ संगम हमें कुछ अनमोल सबक देता है। यह कहता है–परिवर्तन से भय मत करो, उसे अपना सहचर बनाओ। समय को अपना गुरु मानो, क्योंकि वही तुम्हें मार्ग दिखाता है। कर्म को अपना धर्म बनाओ, क्योंकि वही तुम्हारा भाग्य रचता है। और सबसे बड़ी बात–संस्कृति और मानवता के पथ पर चलो, क्योंकि यही जीवन का सच्चा आधार है। यह समय संकल्प का है–संकल्प कि हम अपने भीतर के राक्षसों को हराएँगे, समाज को बेहतर बनाने में योगदान देंगे, और समय के साथ तालमेल बिठाएँगे। यदि हम ऐसा कर पाए, तो यह वर्ष हमारे लिए केवल एक संवत्सर नहीं, बल्कि एक नई रोशनी का प्रतीक बन जाएगा। सुनहरे क्षणों का आलम सज गया है, जब नवरात्रि की पावन घड़ियाँ और कालयुक्त संवत्सर का शुभारंभ एक साथ गूंज उठे हैं। माता दुर्गा के चरणों में शीश झुकाएँ, उनकी असीम शक्ति से अपने हृदय को आलोकित करें, और इस नए समय के साथ कदम से कदम मिलाकर चल पड़ें। यह संयोग हमारे लिए सुख, समृद्धि, और सफलता का एक स्वर्णिम द्वार खोलने को तैयार है। यह वह पल है जब हम अपने स्वप्नों को साकार करने का संकल्प लें, अपने जीवन को नई ऊँचाइयों तक ले जाएँ, और इस चक्र को एक अविस्मरणीय गाथा बनाएँ। यह कालयुक्त संवत्सर और नवरात्रि का संदेश है–शक्ति और समय का यह नृत्य हमें एक नई आलोकित राह पर ले जाए। इस यात्रा को गले लगाएँ, इसे जीएँ, और इसे अमर बनाएँ।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

दूर करें अध्यात्म विद्या का अभाव

अध्यात्म विद्या के विषय में अधिकांश भौतिक विद्वान शिक्षा को ही विद्या मान बैठते हैं। वे विद्या और शिक्षा के अंतर को भी समझने में असमर्थ हैं जबकि विद्या और शिक्षा में धरती और आसमान का अंतर है। इस विषय को स्पष्ट करते हुए महात्मा परमचेतनानंद ने अपने प्रवचन में कहा कि शिक्षा शब्द शिक्ष धातु से बना है जिसका अर्थ है सीखना। भौतिक शिक्षा अनुकरण के द्वारा सीखी जाती है जिसका संबंध ज्ञानेन्द्रियों, कर्मेंद्रिंयों व मन बुद्धि तक सीमित है। इसके अतिरिक्त विद्या शब्द विद् धातु से बना है जिसका अर्थ है जानना अर्थात वास्तविक ज्ञान।

यह ज्ञान स्वयं अंदर से प्रकट होता है, इसे ही अध्यात्म ज्ञान कहा जाता है। इसे आत्मा की गहराई में पहुंचने पर ही जाना जाता है। शिक्षा के विद्वान अहंकार से ग्रसित होते हैं, उनमें विनम्रता का अभाव होता है जबकि विद्या का प्रथम गुण विनम्रता है। विद्या वास्तव में मानव की मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है। इस अध्यात्म विद्या से मानव निष्काम कर्म योगी बनता है जो सभी को समान भाव से देखता है। पहले निष्काम कर्म योगी को ही प्रजा अपना राजा चुनती थी। वे अपने पुत्र तथा अन्य प्रजा के साथ समान रूप से न्याय करते थे। आज के असमय में अध्यात्म विद्या का अभाव होने के कारण राजा और प्रजा दोनों ही अशांत हैं फिर भी इसे ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जबकि अध्यात्म विद्या के वेत्ता तत्वदर्शी संत आज भी मौजूद हैं।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

श्रीलंका को पछाड़ दुनिया का तीसरा चाय का सबसे बड़ा निर्यातक देश बना भारत

मुंबई ■

देश में चाय उद्योग का लगातार विस्तार किया जा रहा है। मुश्किल दौर से गुजरने के बाद, यह उद्योग पटरी पर लौट आया है। साल 2024 में चाय निर्यात बढ़कर रिकॉर्ड 25.467 करोड़ किलोग्राम पर पहुंच गया, और इसके बाद भारत विश्व में इसका तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक रहा।

जलपाईगुड़ी जिले के लघु चाय उत्पादक संघ से जुड़े अधिकारी ने चाय उद्योग में भारत के बढ़ते कद की तारीफ की। उन्होंने बताया, चाय कारोबार के क्षेत्र में बीते साल 2024 में बहुत अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो इसके पहले के दो-तीन साल में देखने को नहीं मिली थी। आंकड़ों के अनुसार 2024 में भारत ने रिकॉर्ड 25.467 करोड़ किलोग्राम चाय का निर्यात किया, जो पिछले दशक में

सबसे ज्यादा है। इतने अधिक निर्यात से 7,111 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, यानी औसत कीमत 280 रुपये प्रति किलोग्राम रही। वहीं, 2023 में 23.169 करोड़ किलोग्राम चाय का निर्यात हुआ था, जिसकी औसत कीमत 265.91 रुपये प्रति किलोग्राम थी। अधिकारी ने बताया, अंतर्राष्ट्रीय चाय समिति की एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रीलंका को पछाड़कर भारत अब वैश्विक चाय निर्यात में तीसरे स्थान पर है। भारत अब चाय निर्यात में केवल चीन और केन्या से पीछे है। उन्होंने बताया, रूस हमारे चाय का पारंपरिक साझेदार था, लेकिन भारतीय चाय के लिए विश्व में नए दरवाजे खुल गए हैं। भारत के चाय निर्यात का करीब 70 प्रतिशत हिस्सा संयुक्त अरब अमीरात, रूस, अमेरिका, ब्रिटेन, ईरान, इराक, सऊदी अरब, चीन, जर्मनी और तुर्की जैसे देशों को होता है। इसमें हैरानी की बात ये हैं कि तुर्की में हर एक आदमी साल में छह किलोग्राम तक चाय पीता है। तुर्की का बाजार भी हमारे लिए नया है। उन्होंने कहा, हम लोगों ने चाय उद्योग में एक बड़ा लक्ष्य रखा है। हम 2030 तक पूरे विश्व में 30 करोड़ किलोग्राम चाय का निर्यात करना चाहते हैं। देश में कुल 140 करोड़ किलोग्राम चाय का उत्पादन होता है, जिसमें 110 करोड़ किलोग्राम की बिक्री घरेलू बाजार में होती है।

पुरानी कारों की बिक्री नई कारों को छोड़ सकती है पीछे

नई दिल्ली ■

देश का पुरानी कारों का बाजार पिछले दो से तीन साल के दौरान लगातार 10 से 12 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। साल 2025-26 में पुरानी कारों की बिक्री नई कारों को पीछे छोड़ सकती है। उद्योग के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि मांग बढ़ने से पुरानी कारों की बिक्री की औसत कीमत भी बढ़ रही है।

उम्मीद है कि वित्त वर्ष 26 में यह बढ़कर 40 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। इसका मतलब है कि संख्या के लिहाज से पुरानी कारों की बिक्री 65 लाख से 70 लाख तक होने की उम्मीद है। पुरानी कारों के प्रमुख प्लेटफॉर्म स्पिनी के संस्थापक और मुख्य कार्य अधिकारी नीरज सिंह ने यह जानकारी दी है। फिलहाल नई कारों का घरेलू बाजार 43 अरब

डॉलर के आसपास होने की उम्मीद है। इस वृद्धि से टायर, वित्त उपलब्ध कराने वाले जैसे अन्य क्षेत्रों में भी इजाफे को बढ़ावा मिलेगा। साल 2023-24 में नई कारों का बाजार 42 लाख गाड़ियों की ऐतिहासिक ऊंचाई तक पहुंच गया था और इस साल इसके सपाट रहने के आसार हैं। वित्त वर्ष 26 में नई कारों की बिक्री में एक से दो प्रतिशत तक की वृद्धि या लगभग 45 लाख से 46 लाख गाड़ियों तक पहुंचने की उम्मीद है। इसके विपरीत बेंगलूरु, हैदराबाद और पुणे जैसे शहरों में पुरानी कारों के बाजार में दमदार वृद्धि देखी जा

सेंसेक्स-निफ्टी में आधा फीसदी से ज्यादा तेजी रही, सेंसेक्स 77,414.92 पर बंद

मुंबई ■

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार का प्रदर्शन मिलाजुला रहा। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन शेयर बाजार बढ़त के साथ खुले लेकिन सप्ताह के आखिर में इनमें गिरावट देखी गई। साप्ताहिक आधार पर देखें तो बीते सप्ताह दोनों सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में आधा फीसदी से ज्यादा की तेजी दर्ज की गई।

घरेलू शेयर बाजार हफ्ते के पहले कारोबारी दिन हरे निशान पर खुला। बेंचमार्क शेयर बाजार सूचकांक सोमवार को लगातार छठे सत्र में बढ़त के साथ खुले। बाजार में तेजी का कारण वित्तीय और बैंकिंग क्षेत्र के दिग्गज शेयरों में तेजी रही। बीएसई सेंसेक्स 965.08 अंक चढ़कर 77,809.91 के स्तर पर खुला और 1,078.87 अंक

उछलकर छह सप्ताह के उच्चतम स्तर 77,984.38 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी 283.45 चढ़कर 23,633.85 पर खुला और 358.35 अंक बढ़कर 23,708.75 अंक पर बंद हुआ। मंगलवार को शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 418.54 अंक उछलकर 78,402.92 अंक पर खुला और 32.81 अंक या की बढ़त के साथ 78,017.19 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 107.85 अंक चढ़कर 23,766.20 अंक पर खुला और 10.30 अंक की बढ़त के साथ 23,668.65 अंक पर बंद हुआ। बुधवार को लगातार आठवें कारोबारी दिन बाजार में सकारात्मक रुख के साथ खुले। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 150.68 अंक चढ़कर 78,167.87 अंक पर खुला और 728.69 अंक गिरकर 77,288.50 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 67.85 अंक चढ़कर 23,736.50 अंक पर खुला और 80 अंक गिरकर 23,486.85 पर बंद हुआ। गुरुवार को कारोबार में सेंसेक्स 202.83 अंक चढ़कर 77,491.33 अंक पर खुला और 317.93 अंक चढ़कर 77,606.43 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 48.65 अंक चढ़कर 23,535.50 अंक पर खुला और 105.10 अंक बढ़कर 23,591.95 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन नकारात्मक रुख के साथ खुले।

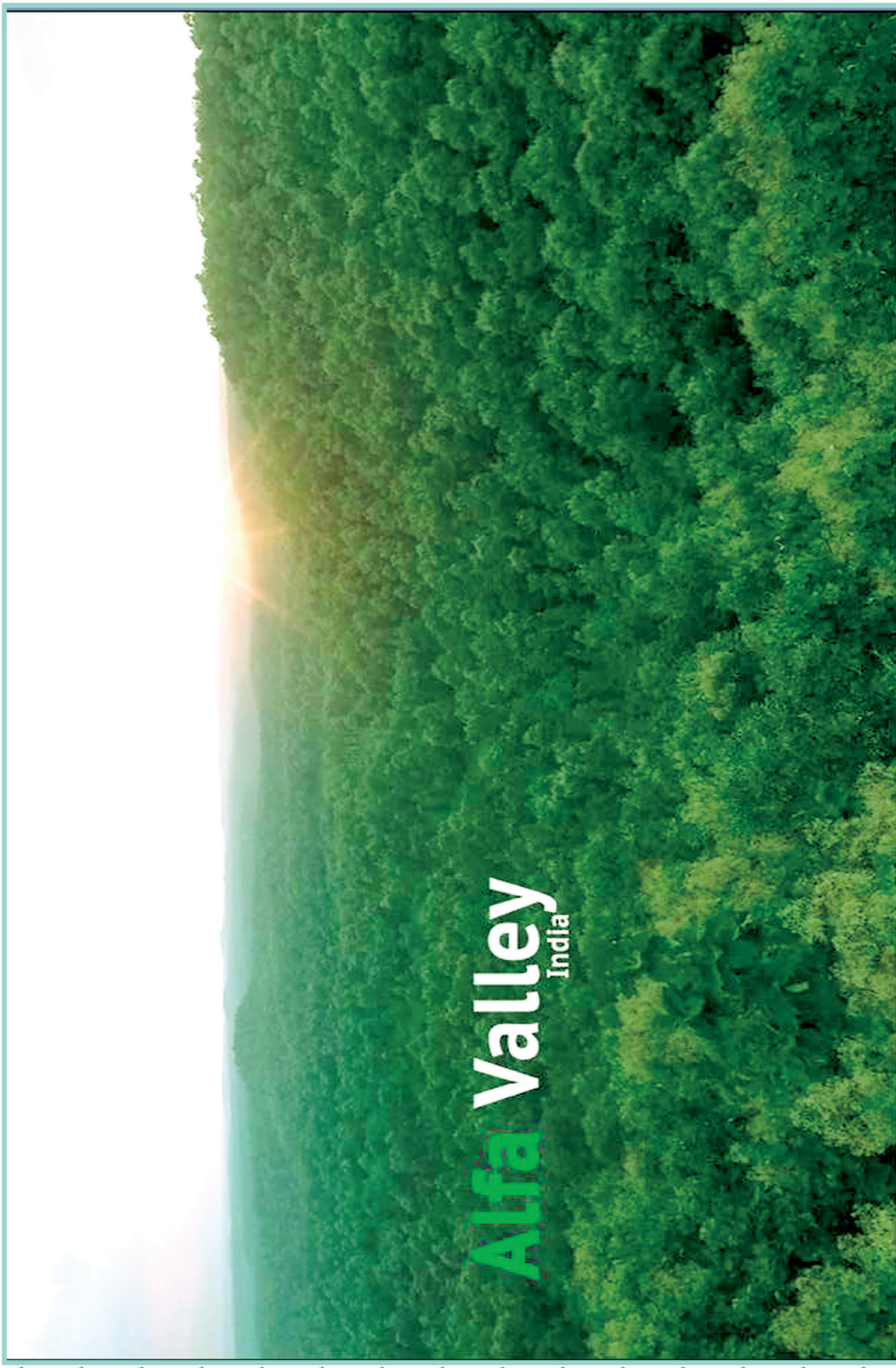
Alfa Valley
India

मनोरंजन

अपने शौक के बारे में बात की रश्मिका मंदाना ने

हाल ही में लोकप्रिय अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने अपनी एक खास सीरीज कोई भी मुझे वो काम करने से नहीं रोक सकता जो मुझे पसंद है शुरू की, जिसमें वह अपने शौक और पसंदीदा चीजों के बारे में बात कर रही हैं। इस सीरीज के दूसरे भाग में उन्होंने वर्कआउट के प्रति अपने प्यार को दर्शाते हुए कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में वह वर्कआउट के बाद की झलक दिखा रही हैं, जहां उनके एब्स और उनकी आकर्षक मुस्कान लोगों का ध्यान खींच रही है। रश्मिका ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, चाहे कहीं भी, कैसे भी, किसी भी अवस्था में क्यों न हो... मैं हमेशा वर्कआउट करने का कोई न कोई तरीका ढूंढ ही लूंगी। मुझे वो काम करने से कोई नहीं रोक सकता जो मुझे पसंद है... पार्ट-2। इससे पहले इस सीरीज के पहले भाग में उन्होंने अपने खाने के प्रति प्रेम को दर्शाया था। उस दौरान उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें वह आम के हलवे का लुत्फ उठाती नजर आई थीं। उस पोस्ट में वह ब्लैक टैंक टॉप और ब्लू डेनिम में बेहद स्टाइलिश लग रही थीं। उन्होंने मजेदार अंदाज में लिखा, कोई भी मुझे वो काम करने से नहीं रोक सकता जो मुझे पसंद है! पार्ट-1! रश्मिका की फिटनेस और उनकी डेडिकेशन उनके फैंस को प्रेरित करता है।

अचानक परिवार के पास दिल्ली पहुंची राधिका

अभिनेत्री राधिका मदान को जब अपने परिवार की याद सताने लगी तो वह अचानक दिल्ली पहुंच गईं। एक्ट्रेस ने अपने व्यस्त शेड्यूल से कुछ समय निकालकर अपने परिवार से मिलने का फैसला किया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर उन्होंने अपनी खुशी जाहिर की और बताया कि वह अपने घर लौटकर कितनी उत्साहित हैं। राधिका ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने रणबीर कपूर की फिल्म 'रॉकस्टार' के गाने 'शहर में हूं मैं तेरे' को बैकग्राउंड में जोड़ा। इस वीडियो में वह मस्ती करती नजर आईं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, पैक-अप करो, घर जाना है। वीडियो में वह अपने परिवार और छोटे बच्चों के साथ समय बिताती नजर आईं। उन्होंने स्टैच्यू गेम खेलते हुए, गोलगप्पे खाते हुए, बाल कटवाते हुए और दिल्ली के लजीज व्यंजनों का लुत्फ उठाते हुए अपनी झलकियां साझा कीं। राधिका मदान की यह पोस्ट दिखाती है कि वह अपने परिवार से कितना जुड़ाव महसूस करती हैं। अभिनय की दुनिया में सफलता पाने के बावजूद वह अपनी जड़ों से गहराई से जुड़ी हुई हैं और परिवार को प्राथमिकता देना कभी नहीं भूलतीं। उनके इस वीडियो को फैंस ने खूब पसंद किया और उनकी सादगी की तारीफ की। इस बीच, 11 मार्च को उनकी फिल्म 'अंग्रेजी मीडियम' के पांच साल पूरे होने पर उन्होंने एक खास पोस्ट साझा की। राधिका ने इस फिल्म से जुड़ी कुछ पर्दे के पीछे की तस्वीरें और यादें साझा करते हुए दिवंगत अभिनेता इरफान खान को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा, मेरे अंदर की 'तारिका' अभी भी जिंदा है! यह छोटी लड़की आज भी दुनिया को जीतने और हर मौके को अपनाने की चाहत रखती है।

सुभाष घई ने 'कर्ज' के 45 साल पूरे होने पर मनाया जश्न

मशहूर फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई द्वारा साल 1980 में रिलीज हुई फिल्म 'कर्ज' के 45 साल पूरे होने का जश्न मनाया गया। सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर इस कार्यक्रम की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल में जब नीतू ऋषि कपूर ने अपने पति को भगवान की ओर देखते हुए श्रद्धांजलि दी, तो वह क्षण हम सभी के लिए बेहद भावुक कर देने वाला था। हमने ऋषि कपूर को एक बेहतरीन अभिनेता और इंसान के रूप में याद किया और उन्हें सम्मान दिया। इस इवेंट का आयोजन पीवीआर बीकेसी बांद्रा, मुंबई में 21 मार्च को सुबह 11:30 बजे किया गया था। कर्ज बॉलीवुड की एक कल्ट क्लासिक फिल्म मानी जाती है, जो पुनर्जन्म की कहानी पर आधारित थी। इस फिल्म में ऋषि कपूर ने मोंटी का किरदार निभाया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसका संगीत भी सुपरहिट साबित हुआ, खासकर ओम शांति ओम और एक हसीना थी जैसे गाने आज भी याद किए जाते हैं। इस फिल्म का रीमेक 2008 में कर्ज नाम से ही बनाया गया, जिसमें हिमेश रेशमिया ने मुख्य भूमिका निभाई थी। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा सकी। सुभाष घई ने एक और पोस्ट में खुलासा किया कि उन्होंने कर्ज की पूरी पटकथा सिर्फ एक सीन के आधार पर लिखी थी। उन्होंने लिखा, यह वही सीन था जब मां अपने मरे हुए बेटे की आत्मा को पहचान जाती है, लेकिन बाकी सभी लोग हैरान रह जाते हैं। मैंने इसी भावनात्मक क्षण के इर्द-गिर्द पूरी कहानी तैयार की, और यह फिल्म एक कल्ट क्लासिक बन गई। सुभाष घई ने इस मौके पर यह भी बताया कि उनकी प्रोडक्शन कंपनी मुक्ता आर्ट्स नए लेखकों और निर्देशकों की तलाश कर रही है, जो पैन सिनेमा के लिए शानदार कहानियां तैयार कर सकें।

LITTAL®
www.pramodmarutiparts.com

दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच रोमांचक मुकाबला आज

नई दिल्ली ■

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में आज रविवार को दो मुकाबले खेले जाने हैं, पहला मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाना हैं। इस मुकाबले के हाई स्कोरिंग मुकाबला होने की उम्मीद है। यह मैच विशाखापट्नम के एसीए वीडीसीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां बल्लेबाजों को मदद मिलने की संभावना है। दिल्ली ने अपने पहले मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की थी और अब उसका लक्ष्य अपनी इस लय को बरकरार रखना होगा।

दिल्ली की टीम को केएल राहुल की वापसी से मजबूती मिली है। वहीं, सनराइजर्स हैदराबाद को पहले मैच में धमाकेदार जीत के बाद लखनऊ के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। पिछले मैच में दिल्ली

की टीम 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 65 रन पर पांच विकेट गंवा चुकी थी, लेकिन आशुतोष शर्मा (31 गेंद में नाबाद 66 रन) और विपराज निगम (39) की शानदार पारियों ने उसे एक विकेट से रोमांचक जीत दिलाई। ट्रिस्टन स्टब्स ने भी छठे नंबर पर 34 रन बनाए थे। विशाखापट्नम की पिच बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग मानी जा रही है। इस मैदान पर सबसे बड़ा स्कोर 272 रन है, जो केकेआर ने पिछले सीजन में दिल्ली के खिलाफ बनाया था। दोपहर के इस मुकाबले में पिच से एक बार फिर बड़े स्कोर की उम्मीद की जा रही है। मौसम की बात करें तो मैच के दौरान आसमान साफ रहेगा, हवा की गति 17-21 किमी/घंटा हो सकती है और तापमान 26 से 33 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा।

सनराइजर्स हैदराबाद : पैट कमिंस (कप्तान), ट्रेविस हेड, ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन, अभिषेक शर्मा, सचिन बेबी, मोहम्मद शमी, एडम जाम्पा, अनिकेत वर्मा, अभिनव मनोहर, राहुल चाहर, ईशान मलिंगा, हर्षल पटेल, कामिंडु मेंडिस, वियान मुल्डर, नितीश कुमार रेड्डी, अथर्व तायडे, ब्रायडन कार्स, सिमरजीत सिंह, जयदेव उनादकट और जीशान अंसारी

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल , जेक फ्रेजर-मैकगर्क, करुण नायर, फाफ डु प्लेसिस, डोनोवन फरेरा, अभिषेक पोरेल , ट्रिस्टन स्टब्स , समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, दर्शन नालकंडे, विप्रज निगम, अजय मंडल, मनवंत कुमार, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, मिशेल स्टार्क, टी नटराजन, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा और कुलदीप यादव

सुपर संडे : गुवाहाटी में आमने-सामने होंगी सीएसके और आरआर

नई दिल्ली ■

रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दो मुकाबले खेले जाने हैं। पहला मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और सनराईज हैदराबाद (एसआरएच) के बीच विशाखापट्नम में दोपहर 3.30 बजे से खेला जाएगा। वहीं दूसरा मुकाबला चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के बीच शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा। रविवार को दोनो टीमें गुवाहाटी में आमने-सामने होंगी। जहां चेन्नई की कोशिश पिछले मैच की हार से उबरकर जीत की राह पर लौटने की होगी, जबकि राजस्थान रॉयल्स अपनी पहली जीत दर्ज करने के लिए मैदान में उतरेगी।

चेन्नई सुपरकिंग्स को अपने पिछले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ 50 रन से हार का सामना करना पड़ा था। रजत पाटीदार की कप्तानी में

खेल रही आरसीबी ने चेन्नई की कमजोर फील्डिंग और खराब बल्लेबाजी का पूरा फायदा उठाया और 17 साल बाद चेपॉक के मैदान पर जीत दर्ज की। इस हार के बाद सीएसके की टीम पर दबाव बढ़ गया है। इस सीजन में सीएसके के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का बैटिंग ऑर्डर भी चर्चा का विषय बना हुआ है। धोनी को नौवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया, जिससे फैंस काफी निराश नजर आए। हालांकि, उन्होंने 16 गेंदों में नाबाद 30 रन बनाकर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन तब तक मैच सीएसके के हाथ से निकल चुका था। गुवाहाटी की पिच चेन्नई के चेपॉक जैसी नहीं है, जहां स्पिनर्स को फायदा मिलता है। राजस्थान रॉयल्स के पास इस पिच पर अपनी मजबूत बल्लेबाजी का पूरा फायदा उठाने का मौका रहेगा।

चेन्नई सुपर किंग्स: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी , डेवोन कॉनवे, राहुल त्रिपाठी, शेख रशीद, वंश बेदी (विकेटकीपर), सी आंद्रे सिद्धार्थ, रचिन रवींद्र, रविचंद्रन अश्विन, विजय शंकर, सैम कुरेन, अंशुल कंबोज, दीपक हुडा, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, खलील अहमद, नूर अहमद, मुकेश चौधरी, गुरजपनीत सिंह, नाथन एलिस, श्रेयस गोपाल, मथीषा पथिराना.

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग, संजू सैमसन, शुभम दुबे, शिम्रोन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल, नितीश राणा, कुणाल सिंह राठौड़, वैभव सूर्यवंशी, वानिंदु हसरंगा, जोफ्रा आर्चर, अशोक शर्मा, तुषार देशपांडे, फजलहक फारूकी, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, महेश थीक्षाना, युद्धवीर सिंह.

2025 क्लब वर्ल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट 14 जून से

सेन डियागो। 2025 क्लब वर्ल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट ये 14 जून से 13 जुलाई, 2025 तक संयुक्त राज्य अमेरिका में होगा। इस टूर्नामेंट में कुल 32 टीमें भाग लेंगी। इसमें सात मैचों का ग्रुप स्टेज और प्लेऑफ फॉर्मेट होगा। विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था फीफा ने इसके लिए इनामी राशि घोषित कर दी है। इसमें कुल इनामी राशि 1 बिलियन डॉलर 32 प्रतिभागी क्लबों में वितरित की जाएगी। इसमें विजेता टीम को 125 मिलियन डॉलर तक जीतने का निर्धारित।अवसर मिलेगा। इसके अलावा वैश्विक क्लब फुटबॉल को समर्थन देने के लिए 250 मिलियन डॉलर अलग रखे गए हैं। वहीं इसमें शामिल टीमों को 525 मिलियन डॉलर मिलेंगे। इसके अलावा यूईएफए क्लब 12.81 मिलियन डॉलर से 38.19 मिलियन डॉलर तक की राशि हासिल करेंगे, जो उनकी रैंकिंग और राजस्व पर निर्भर करेगा। इसके तहत शीर्ष स्तर के क्लब चेल्सी, मैनचेस्टर सिटी, रियल मैड्रिड और बायर्न म्यूनिख बड़ी इनामी राशि हासिल करने की दावेदार रहेंगी। कोंमेबोल (दक्षिण अमेरिकी) क्लब को 15.21 मिलियन डॉलर के करीब रकम मिलेगी। कॉनकैकएएफ, सीएएफ और एएफसी क्लब को 9.55 मिलियन डॉलर मिलेंगे जबकि ओएफसी (ओशिनिया) क्लबः 3.58 मिलियन डॉलर दिये जाएंगे।

ब्राजील फुटबॉल टीम को विश्व कप क्वालिफायर में मिली शर्मनाक हार, मुख्य कोच पर गिरी गाज

साओ पोलो ■

ब्राजील के कोच डोरिवल जूनियर को टीम के निराशाजनक प्रदर्शन और खराब नतीजों के कारण 14 महीने के भीतर ही पद से हटा दिया गया है। ब्राजील को ब्यूनस आयर्स में अर्जेंटीना ने 4-1 से हराया जो विश्व कप क्वालिफायर मुकाबले में उसकी सबसे शर्मनाक हार है। इसके तीन दिन बाद ही ब्राजीली फुटबॉल परिसंघ के अध्यक्ष एडनाल्डो रौड्रिगेस ने जूनियर को हटाने का फैसला किया।

उन्होंने मीडिया से कहा, परिसंघ यह घोषणा करता है कि डोरिवल जूनियर का कार्यकाल पूरा हो गया। अब हम विकल्प की तलाश कर रहे हैं। ब्राजील विश्व कप 2026 दक्षिण अमेरिकी क्वालिफाइंग तालिका में पांचवें स्थान पर है। शीर्ष छह टीमें फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई करेंगी।ब्राजील पिछले साल कोपा अमेरिका के क्वार्टर फाइनल में उरूग्वे से हारकर बाहर हो गया था। टीम का फॉर्म पिछले कुछ समय से

कुछ खास नहीं रहा है। 2022 विश्व कप में ब्राजील की टीम क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई थी। तब ब्राजील को क्रोएशिया ने अंतिम-8 के मुकाबले में पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराया था। उससे पहले 2021 कोपा अमेरिका फाइनल में ब्राजील की टीम अर्जेंटीना के हाथों 1-0 से हार गई थी। ब्राजील ने पिछली बार कोई मेजर खिताब 2019 में जीता था, जब उसने कोपा अमेरिका अपने नाम किया था। तब उन्होंने फाइनल में पेरू को 3-1 से शिकस्त दी थी। वहीं, 2018 फीफा विश्व कप में ब्राजील की टीम क्वार्टर फाइनल से बाहर हुई थी। अंतिम आठ के मुकाबले में बेल्जियम ने ब्राजील को 2-1 से हराया था। 2014 में ब्राजील में ही फीफा विश्व कप खेला गया था। तब टूर्नामेंट में ब्राजील की टीम सेमीफाइनल तक पहुंची थी। हालांकि, अंतिम चार के मुकाबले में जर्मनी ने ब्राजील को 7-1 से करारी शिकस्त दी थी। ब्राजील ने 2002 के बाद से कभी फीफा विश्व कप का खिताब नहीं जीता है।

न्यूजीलैंड ने पहला वनडे 73 रन से जीताःपाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई

नई दिल्ली ■

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को पहले वनडे में 73 रन से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। 3 मैचों वाली वनडे सीरीज का पहला मुकाबला शनिवार को न्यूजीलैंड के नापियर में खेला गया। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर फिल्डिंग चुनी। कीवी टीम ने 9 विकेट के नुकसान पर 344 रन बनाए। 345 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम 44.1 ओवर में 271 रनों पर सिमट गई।

मैच में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज मार्क चापमैन ने शतक लगाया। उन्होंने 111 गेंदों पर 132 रन बनाएं। इसमें 13 चौके और 6 छक्के शामिल है। वे चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए थे। उनके अलावा डेरिल मिचेल ने भी 76 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। पाकिस्तान के इरफान खान ने सबसे ज्यादा 3 विकेट झटके।

न्यूजीलैंड के अब्बास ने लगाया सबसे तेज डेब्यू अर्धशतक

पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ी मोहम्मद अब्बास ने 24 गेंदों पर वनडे इतिहास में डेब्यू करते हुए सबसे तेज 50 रन बनाए। उन्होंने 52 रनों की पारी खेली। अपनी पारी में उन्होंने 3 चौके और 3 छक्के लगाएं। अब्बास से पहले यह रिकॉर्ड भारत के ईशान किशन के नाम पर था। उन्होंने 2021 में श्रीलंका के खिलाफ 33 गेंदों में 50 रन बनाए थे।

मनीषा ने एशियाई चैम्पियनशिप में पहला स्वर्ण जीता, पंघाल को कांस्य

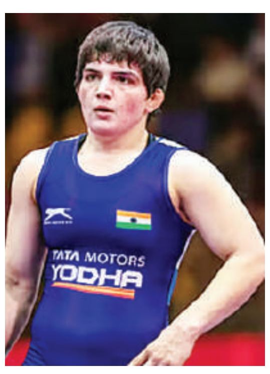

अम्मान (जॉर्डन)। अनुभवी भारतीय पहलवान मनीषा भानवाला ने शुक्रवार को यहां एशियाई चैम्पियनशिप में 2021 के बाद भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया जबकि अंतिम पंघाल को कांस्य से संतोष करना पड़ा। मनीषा ने महिलाओं की 62 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में कोरिया की ओक जे किम को 8 . 7 से मात दी । इससे पहले उन्होंने कजाखस्तान की टाइनिस डुबेक पर तकनीकी श्रेष्ठता से आसान जीत के साथ शुरुआत की और कोरिया की हनबिट ली को चित्त करके एक और शानदार जीत हासिल की। मनीषा ने सेमीफाइनल में कलमीरा बिलिमबेक काजी के खिलाफ भी दबदबा बनाते हुए केवल एक अंक गंवाते हुए 5-1 से जीत दर्ज की। भारत को 2021 में अलमाटी में हुई चैम्पियनशिप में विनेश फोगाट और सरिता मोर ने पीला तमगा दिलाया था। वहीं पेरिस ओलंपिक में निराशाजनक अभियान के बाद 20 साल की अंतिम अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेल रही थी।

अब आप भी बन सकते हैं
ग्लोबल रिपोर्टर
अपने आस-पास होने वाली महत्वपूर्ण गतिविधियां, घटना-दुर्घटना की खबर, फोटो या वीडियो हमें वाट्सएप करें
7999509078
ना केबल कनेक्शन की झंझट, ना ही सेट-टॉप बॉक्स का खर्चा
ग्लोबल हेराल्ड न्यूज अब IPTV पर भी
बस एक बार गूगल करें और देखें हमेशा ताजातरीन खबरें
www.globalheraldtv.com
ग्लोबल हेराल्ड NATIONAL HERALD
न्यूज पेपर न्यूज चैनल वेब टीवी
globalheraldeditor@gmail.com

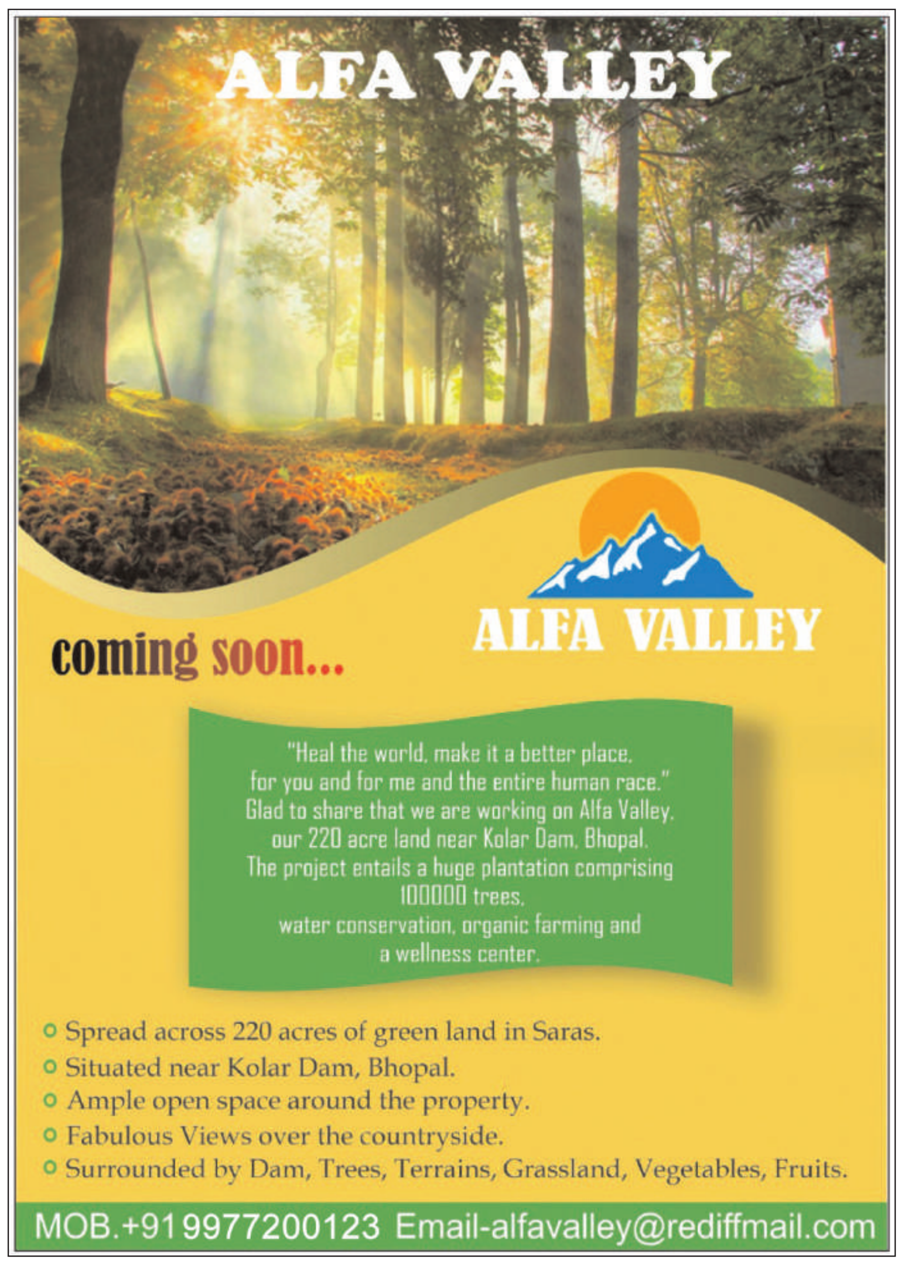

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com